▪ आश्विन शुक्ल - 12 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 92 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 26-10-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जन स्वास्थ्य की रक्षा को डबल इंजन सरकार प्रतिबद्ध : आदित्यनाथ

6 कितने शरीफ हैं नवाज शरीफ?

7 कंगना ने हमास को बताया आधुनिक रावण

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान में 10 दिनों में 300 से अधिक उड़ानें रद्द

रावलपिंडी/वार्ता। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ईंधन की अनुपलब्धता और वित्तीय संकट के कारण बंद होने के कगार पर है। देश में पिछले 10 दिनों में 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। एक राष्ट्रीय वाहक के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान एयरलाइन को संभवत: अब तक के इतिहास में सबसे खराब संकट का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान स्टेट ऑयल (पीएसओ) ने बकाया राशि का भुगतान न करने पर ईंधन आपूर्ति में कटौती कर दी है। इस कदम से एयरलाइन को 14 अक्टूबर से अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 134 सहित 322 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं हैं। प्रवक्ता के अनुसार मंगलवार को 27 घरेलू मार्गों के उड़ानों सहित कुल 51 उड़ानें रद्द करनी पड़ी थी। पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से हजारों यात्रियों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है हैं।

अमेरिका के कई प्रांतों ने मेटा पर मुकदमा किया

वाशिंगटन/एपी। न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया सहित कई अमेरिकी प्रांतों ने मेटा प्लेटफॉर्म इंक पर इंस्टाग्राम और फेसबुक के लिए जानबूझकर ऐसे फीचर बनाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है, जो बच्चों को कंपनी के सोशल मीडिया मंच की लत लगाते हैं और युवाओं को नुकसान पहुंचाने के साथ ही उनमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को बढ़ावा देते हैं। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में 33 प्रांतों की ओर से दायर मुकदमे में दावा किया गया है कि मेटा, कानून का उल्लंघन करते हुए 13 साल से कम उम्र के बच्चों के माता-पिता की सहमति के बिना उनसे जुड़ा डेटा नियमित रूप से इकट्ठा करता है। इसके अलावा, नौ अटॉर्नी जनरल भी अपने-अपने प्रांतों में मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर कर रहे हैं, जिससे कंपनी के खिलाफ कानूनी कदम उठाने वाले प्रांतों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है।

निर्वाचन आयोग अभिनेता राजकुमार राव को 'नेशनल आइकन' नियुक्त करेगा

नई दिल्ली/भाषा। हिन्दी फिल्म 'न्यूटन' में नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में चुनाव कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले एक अधिकारी की भूमिका के जरिये प्रशंसा बटोरने वाले अभिनेता राजकुमार राव को निर्वाचन आयोग (ईसी) 'नेशनल आइकन' नियुक्त करेगा। आयोग मतदाताओं को चुनाव में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते प्रमुख भारतीयों को नेशनल आइकन के रूप में नियुक्त करता है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बृहस्पतिवार को राव को नेशनल आइकन के रूप में औपचारिक रूप से नियुक्त करेंगे।

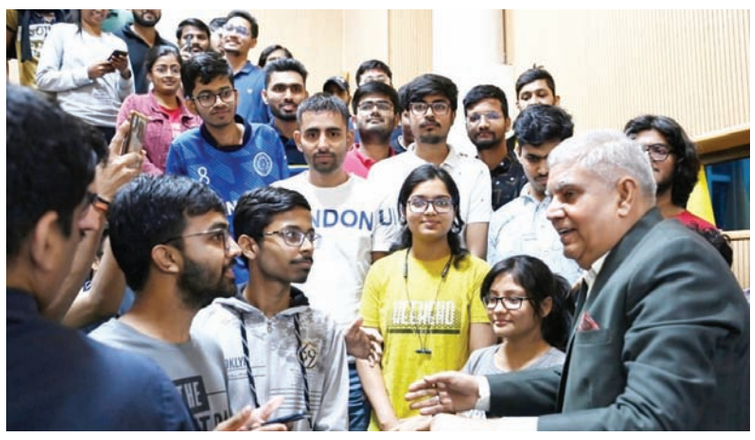

26-10-2023 सूर्यास्त 5:56 बजे | सूर्योदय 27-10-2023 6:12 बजे

BSE	NSE
64,049.06	19,122.15
(-522.82)	(-159.60)

सोना	चांदी
6,352 रु.	73,342 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भारत के बारे में दुष्प्रचार को विफल करने को आगे आएं युवा : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को युवाओं से भारत और उसके संस्थानों की छवि खराब करने के लिए कुछ ताकतों द्वारा फैलाई जा रही झूठी कहानी को ठोस तर्क के साथ विफल और बेअसर करने का आह्वान किया।

धनखड़ ने कहा कि कुछ ताकतें भारत की तरक्की को पचा नहीं पा रही हैं और वे अजीबोगरीब कारण से देश के बारे में ऊटपटांग के आख्यान फैलाने में लगी हैं। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, इस बात पर खेद भी जताया कि आज ऐसी बातें फैलायी जा रही है कि देश के प्रतिष्ठित आईआईटी केवल उच्च वर्ग की सेवा के लिए हैं। उन्होंने कहा,मैं निश्चित रूप से जानता हूं कि आईआईटी में गांव के लोग आते हैं, साधारण पृष्ठभूमि के लोग आते हैं, ऐसे लोग जिन्होंने बड़ी मुश्किल से इसे बनाया है, लेकिन आज बाहरी दुनिया के मन में इनकी अलग छवि बनाने की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश केवल योग्यता और योग्यता के आधार पर होता है। उन्होंने कहा कि असमानताओं को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत को दुनिया के समने वर्तमान समय की चुनौतियों के लिए समस्या समाधानकर्ता के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, निर्णायक ढंग से सोचने और असफलताओं से कभी न डरने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा किआर्थिक राष्ट्रवाद हमारे देश के विकास के लिए मौलिक आवश्यकता है।

धनखड़ ने कहा, कुछ अजीब कारणों से, हमारी वृद्धि कुछ लोगों को पच नहीं रही है। कुछ लोग तो यहां तक कह सकते हैं कि पाकिस्तान का भूख सूचकांक भारत से बेहतर है। कल्पना कीजिए कि वे कितनी दूर तक जा सकते हैं।

अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला विराजेंगे नये मंदिर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर बन रहे नए मंदिर में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 22 जनवरी 2024 को होगी।

विश्व हिन्दू परिषद के उपाध्यक्ष एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बुधवार को यहां बताया कि आज वह मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ जी महाराज पेजावर मठ ,उडुपी, कर्नाटक, स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज पुणे (जो न्यास के कोषाध्यक्ष भी हैं) के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिले थे और उन्हें अयोध्या में अगले वर्ष 22 जनवरी को रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पधारने के लिए औपचारिक निमंत्रण पत्र प्रस्तुत किया जिस पर प्रधानमंत्री ने सहजता से स्वीकृति प्रदान की।

मोदी ने बाद में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी पोस्ट में लिखा,जय सियाराम! आज का दिन बहुत भावनाओं से भरा हुआ है। अभी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी मुझसे मेरे निवास स्थान पर मिलने आए थे। उन्होंने मुझे श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या आने के लिए निमंत्रित किया है। मैं खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूं। ये मेरा सौभाग्य है कि अपने जीवनकाल में, मैं इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनूंगा।

चंपत राय ने बताया कि देश के 4000 संत महात्मा एवं समाज के 2500 प्रतिष्ठित महानुभाव इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे।

राजीव चंद्रशेखर ने भारत-चीन युद्ध का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा कि 1962 में भारत-चीन युद्ध का दौर स्वतंत्र भारत के इतिहास में हमेशा एक 'काले और अपमानजनक अध्याय' के रूप में अंकित रहेगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह वह समय था जब पंडित जवाहरलाल नेहरू और उनके वामपंथी रक्षा मंत्री कृष्णा मेनन के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व द्वारा अपनाई गई भ्रमपूर्ण 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' नीति के लिए हजारों भारतीयों और हमारे सशस्त्र बलों के कई सदस्यों ने अपनी जान की कीमत चुकाई थी।

युद्ध 20 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच हुआ था, जिसमें चीन ने लद्दाख में भारतीय भूमि के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि भारत ने इस कमजोर और भ्रमपूर्ण नेतृत्व की कीमत चुकाई और हमारे गौरवशाली देश ने वैश्विक अपमान झेला। उन्होंने कहा, 'इसने हमारे सशस्त्र बलों के मनोबल को अक्षम्य क्षति पहुंचाई, जो हथियारों से लैस होने के बावजूद आखिरी गोली तक बहादुरी से लड़े और यहां तक कि खाली हाथों से भी लड़े, जिससे दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। कई नायकों ने भारत की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी और अपने जीवन का बलिदान दिया।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक लाख करोड़ के जीएसटी नोटिस जारी

नई दिल्ली/भाषा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अधिकारियों ने कर चोरी के मामलों में ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को अभी तक एक लाख करोड़ रुपये मूल्य के कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, इस अधिकारी ने कहा कि एक अक्टूबर के बाद से भारत में विदेशी गेमिंग कंपनियों के पंजीकरण का अभी तक कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। जीएसटी कानून में संशोधन किए जाने के बाद विदेशी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक अक्टूबर से भारत में पंजीकरण करना अनिवार्य हो गया है।

'न्यूजक्लिक' विवाद:

प्रबीर पुरकायस्थ, अमित चक्रवर्ती दो नवंबर तक पुलिस हिरासत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 'न्यूजक्लिक' के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती को आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज एक मामले में बुधवार को दो नवंबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। 'न्यूजक्लिक' पर चीन समर्थक दुष्प्रचार फैलाने के लिए धन हासिल करने का आरोप है। दोनों आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर बुधवार को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने 10 अक्टूबर को अदालत से दोनों आरोपियों को जेल भेजने का अनुरोध किया था। उसने कहा था कि बाद में दोनों से हिरासत में आगे की पूछताछ की मांग की जा सकती है। पुलिस ने बुधवार को अदालत से कहा कि वह कुछ गवाहों और आरोपियों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करना चाहती है।

धार्मिक विश्वास और प्रथाएं विपरीत परिस्थितियों में शक्ति देती हैं : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज कहा कि धार्मिक विश्वास और प्रथाएं विपरीत परिस्थितियों में राहत, आशा और शक्ति प्रदान करती हैं। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में एक अंतरधार्मिक बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

राष्ट्रपति ने कहा कि धर्म जीवन में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, धार्मिक विश्वास और प्रथाएं हमें विपरीत परिस्थितियों में राहत, आशा और शक्ति प्रदान करती हैं। प्रार्थना और ध्यान मनुष्यों को आंतरिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का अनुभव प्रदान करने में मदद करते हैं। लेकिन शांति, प्रेम, पवित्रता और सत्य जैसे मौलिक आध्यात्मिक मूल्य हमारे जीवन को सार्थक बनाते हैं। इन मूल्यों से रहित धार्मिक प्रथाएं हमें लाभान्वित नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए, सहिष्णुता, परस्पर सम्मान और सद्भाव के महत्व को समझना आवश्यक है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि प्रत्येक मानव आत्मा स्नेह और सम्मान की हकदार है। आत्मबोध का भाव, मूल आध्यात्मिक गुणों के अनुसार जीवन-यापन करना और परमात्मा के साथ आध्यात्मिक संबंध रखना ही सांप्रदायिक सद्भाव और भावनात्मक एकीकरण का सहज साधन है।

एनसीईआरटी की समिति ने पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' की जगह 'भारत' शब्द के इस्तेमाल की सिफारिश की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा पाठ्यक्रम में संशोशन के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति ने सभी स्कूली पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द के इस्तेमाल की सिफारिश की है।

समिति के अध्यक्ष सी.आई. आइजक के अनुसार, समिति ने पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द के इस्तेमाल, 'प्राचीन इतिहास' के स्थान पर 'क्लासिकल हिस्ट्री' शुरू करने, सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) शुरू करने की सिफारिश की। हालांकि, एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश सकलानी ने कहा कि समिति की सिफारिशों पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। आइजक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, समिति ने सर्वसम्मति से सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में 'भारत' शब्द के इस्तेमाल की सिफारिश की है। हमने 'प्राचीन इतिहास' के स्थान पर 'क्लासिकल हिस्ट्री' पढ़ाने की भी अनुशंसा की है। आइजक ने कहा, भारत सदियों पुराना नाम है। 7,000 साल पुराने विष्णु पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में भारत नाम का इस्तेमाल किया गया है।

चीन का अनुसंधान पोत कोलंबो के बंदरगाह पहुंचा

कोलंबो/भाषा। चीन का एक अनुसंधान पोत बुधवार को श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने इस जहाज की यात्रा को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता जाहिर की थी। श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''शी यान 6 को ईंधन फिर से भरने के लिए (कोलंबो) बंदरगाह में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।'' सूत्रों के अनुसार भारत द्वारा उठाई गई सुरक्षा चिंताओं के कारण श्रीलंका 'शी यान 6' के आगमन की अनुमति देने में देरी कर रहा था। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह जहाज कोलंबो बंदरगाह पर कितने समय तक रहेगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले सप्ताह चीन की यात्रा की थी।

कित्तूर उत्सव

बुधवार को बेलगावी में चेन्नम्मा कित्तूर उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

गाजा में इजराइली हवाई हमले बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राफा (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइल ने गाजा पट्टी पर मंगलवार को हवाई हमले तेज कर दिए, जिसके कारण ढही आवासीय इमारतों के मलबे में कई परिवार दब गए। इससे पहले, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि बीते दिन बड़ी संख्या में फलस्तीनी मारे गए और बमबारी के कारण हुए नुकसान और बिजली आपूर्ति बाधित हो जाने के कारण चिकित्सकीय सेवाएं ठप रहीं। हमास संचालित गृह मंत्रालय ने बताया कि गाजा में इजराइली हवाई हमले रात भर जारी रहे।

दशकों से जारी इजराइली-फलस्तीनी संघर्ष में बमबारी से मरने वालों की बढ़ती संख्या अप्रत्याशित है और जब इजराइली बल हमास उग्रवादियों का खात्मा करने के लिए टैंक और तोपों के साथ संभावित जमीनी हमले करेंगे, तो गाजा में जान-माल का और भारी नुकसान होने की आशंका है।

हमास द्वारा दक्षिणी इजराइल के शहरों में सात अक्टूबर को विनाशकारी हमला किए जाने के बाद से इजराइल ने गाजा की घेराबंदी कर दी है, जिसके कारण 23 लाख लोग भोजन, पानी और दवाइयों की कमी से जूझ रहे हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हवाई हमलों के कारण मंगलवार को कम से कम 704 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। 'द एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) हमास द्वारा बताई इस संख्या की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका।

हमास का कहना है कि वह अस्पतालों के निदेशकों की ओर से मिली हताहतों की संख्या का मिलान करता है। वाशिंगटन में, अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका भी एक दिन में हुई मौत की इस संख्या की पुष्टि नहीं कर सका।

इजराइल ने मंगलवार को कहा कि उसने बीते दिन 400 हवाई हमले किए, जिसमें हमास के कमांडर समेत कई उग्रवादी मारे गए। उसने कहा कि हमास के ये उग्रवादी इजराइल में रॉकेट दागने की योजना बना रहे थे। इजराइल ने एक दिन पहले 320 हमले किए जाने की जानकारी दी थी।

गुतारेस पर आतंकवाद को न्यायोचित ठहराने का इजराइल ने लगाया आरोप

यरूशलम/एपी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की इस टिप्पणी पर इजराइली अधिकारी बुधवार को नाराज हो गए कि दक्षिणी इजराइल पर हमास का घातक हमला ''अकारण नहीं हुआ।'' इजराइली अधिकारियों ने इसे आतंकवाद को न्यायोचित ठहराना करार दिया। इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने गुतारेस के साथ एक पूर्व निर्धारित बैठक रद्द कर दी, जबकि इजराइल के यहूदी नरसंहार (होलोकास्ट) स्मारक, याद वाशेम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ''परीक्षा में विफल रहे हैं।'' कोहेन ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''मैं संयुक्त राष्ट्र महासचिव से नहीं मिलूंगा। सात अक्टूबर के नरसंहार के बाद एक संतुलित दृष्टिकोण के लिए कोई जगह नहीं है। हमास का अस्तित्व इस धरती से मिटा दिया जाना चाहिए।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदलाव का वक्त

वक्त है बदलाव का,
बदलें सभी व्यवहार को।
बदल डाले तंत्र में,
विस्तीर्ण भ्रष्टाचार को।
हो सके तो रोक दें,
अपराध की भरमार को।
लोग सच्चे हों सियासी,
चुने उन किरदार को।।

विनय का गुण ही जीवन का कल्याण करता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा किविनय का गुण ही जीवन का कल्याण करता है। नम्रता आने पर सब कुछ प्राप्त कर सकते है। नमना सीख लेने वाला जीवन में हर तरह की प्रगति कर सकता है। तीर्थंकर परमात्मा की वाणी सुनने का अवसर बार-बार नहीं मिलता। परमात्मा की देशना चतुर्विध संघ के लिए है इसलिए सबको इसका श्रवण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में सबका कृपापात्र एवं चेहता बनना है तो विनयशील बनना पड़ेगा। मन विनयमय होने पर आगम रूपी अमृतकलश हमे प्राप्त होंगे। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि व्यक्ति का चेहरा देख उसके मन के भाव तभी समझ पाएंगे जब रिश्ता दिल से जुड़ा हुआ होगा। दिल से जुड़े रिश्तों में कहने-सुनने की जरूरत नहीं होती है। यहां शब्दों को नहीं भावों को समझने वाले की जरूरत है। भावों को समझने पर प्रेम बना रहता है। एक-दूसरे के भावों को वहीं समझ सकते जो विनयवान होते है। भावों को समझने की बजाय केवल शब्दों के आधार पर आगे बढ़ने से समस्याएं शुरू होती है। इस मौके पर मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, हेमराज मोदी, दिलीपकुमार कांकरिया, सुरेश वाणीगोता, गुलाबचंद वाणीगोता, बाबूलाल सोफाडिया, कांतिलाल गांधीमुथा, कीर्तिकुमार बंदामुथा, कांतिलाल कांकरिया, मुकेश श्रीश्रीमाल, बाबूलाल मेहता, कमल जैन, नैणमल आदि उपस्थित रहे।

गुजरात में 7459 करोड़ निवेश के लिए हुए एमओयू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/वार्ता। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में लगभग आठ डेवलपर्स ने बुधवार को शहरी विकास विभाग के साथ राज्य के अहमदाबाद, वडोदरा एवं सूरत महानगरों में कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स और कॉमर्शियल एंड रेज़ीडेंशियल प्रोजेक्ट के लिए कुल 7459.68 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि इन प्रोजेक्ट्स पर शीघ्र ही कार्य शुरू होगा और ये प्रोजेक्ट्स संभवत: वर्ष 2026 से 2028 तक पूर्ण होंगे। इतना ही नहीं, इन प्रोजेक्ट्स से लगभग 4,750 लोगों को रोज़गार के अवसर मिलने की संभावना है। वाइब्रेंट समिट की उत्तरोत्तर सफलता के चलते गुजरात में अनेक बड़े निवेश और औद्योगिक प्रोजेक्ट्स आए हैं।

म्युनिसिपल संस्थानों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के बीच हुए ये एमओयू राज्य के महानगरों में विश्व स्तरीय सुविधाएँ विकसित करने में तथा अन्य वाणिज्यिक एवं आवासीय सुविधाओं को भी समय के अनुरूप अत्याधुनिक बनाने की अपेक्षा की पूर्ति करने में निर्णायक सिद्ध होंगे। तद्अनुसार इन एमओयू के फलस्वरूप राज्य सरकार को बड़ी इमारतों और लार्ज स्केल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के निर्माण क्षेत्र में अनुभवी डेवलपर्स एवं निर्माण उद्योग की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं ऐसे प्रोजेक्ट्स कार्यरत हो जाने से स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, हाउसिंग सेक्टर सहित सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट क्षेत्र से बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसरों का सृजन भी हो सकेगा। राज्य के पाँच मुख्य शहरों अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट एवं गांधीनगर में स्काइराइज़ बिल्डिंग्स, 100 मीटर से अधिक ऊँची इमारतों के निर्माण के लिए वर्ष 2020 में निर्माण नियमों में विशेष प्रावधानों को शामिल किया गया है। इसके परिणामस्वरूप इन महानगरों में ज़मीनों के अधिकतम उपयोग के साथ संपूर्ण कॉर्पोरेट बिल्डिंग्स तथा ऊँचे कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स शुरू होने जा रहे हैं।

इस संदर्भ में बुधवार को जो एमओयू हुए हैं, उसके अंतर्गत अहमदाबाद महानगर में चार प्रोजेक्ट्स में 6,601 करोड़ रुपए का संभावित निवेश आएगा। इतना ही नहीं सूरत में 450 करोड़ रुपए और वडोदरा में 410 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव वाले एमओयू किए गए हैं। इस एमओयू साइनिंग के अवसर पर उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, मुख्य सचिव राज कुमार, उद्योग, शहरी विकास आदि विभागों के वरिष्ठ सचिव भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अहमदाबाद, सूरत तथा वडोदरा महानगर पालिका आयुक्तों ने सम्बद्ध डेवलपर्स के साथ एमओयू एक्सचेंज किए।

भारत, सऊदी अरब के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री माजिद बिन अब्दुल्ला अल कसाबी के साथ दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

गोयल फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) के सातवें संस्करण में भाग लेने के लिए दो दिन के लिए रियाद के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने सऊदी अरब के कई मंत्रियों के साथ बैठकों में भी हिस्सा लिया। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक जुझारू बनाने के लिए भारत-सऊदी व्यापार संबंधों को किस तरह आगे बढ़ाया जा सकता है।'' अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान अल-सऊद से भी मुलाकात की। उन्होंने सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल फलीह, उद्योग एवं खनिज संसाधन मंत्री बंदेर बिन इब्राहिम अल खोरायफ और पीआईएफ के गवर्नर यासिर रुमैयान से भी मुलाकातें कीं। इन बैठकों में गोयल ने भारत की तरफ से पेश किए गए कई अवसरों के बारे में चर्चा की। भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 52.75 अरब डॉलर हो गया जबकि वर्ष 2021-22 में 42.86 अरब डॉलर रहा था। भारत को अप्रैल, 2000 से जून, 2023 के बीच सऊदी अरब से 3.22 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिला है।

भारत वृद्धि की व्यापक संभावनाओं वाला देश, कारोबारी सुगमता में सुधार जरूरी: गोपीचंद हिंदुजा

लंदन/भाषा। हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद पी हिंदुजा ने भारत को वृद्धि की व्यापक संभावनाओं वाला सर्वश्रेष्ठ देश बताने के साथ ही कहा है कि सरकार को कारोबार सुगमता को बेहतर करने पर ध्यान देना चाहिए।

हिंदुजा परिवार के मुखिया ने भारत की क्षमता को लेकर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि यह वर्ष 2030 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा, ''इस समय बहुत अधिक संभावनाओं और वृद्धि के साथ भारत सर्वश्रेष्ठ देश है और यह अच्छी तरह से संरक्षित और सुरक्षित है।'' हिंदुजा ने पीटीआई-भाषा से खास बातचीत में कहा, ''भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। मैं पहला व्यक्ति था जब मैंने 2019 में कहा था कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और यह उसी राह पर आगे बढ़ रहा है।'' इसके साथ ही हिंदुजा ने भारत सरकार को प्रक्रिया में तेजी लाकर नीतियों और परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

केरल के इडुक्की जिले में भारी बारिश, कुछ बांधों से पानी छोड़ा गया

इडुक्की (केरल)/भाषा। केरल के इडुक्की जिले में भारी बारिश के कारण अधिकारियों ने बुधवार को कुछ छोटे बांधों से पानी छोड़ा, जहां जल स्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। इडुक्की के जिला प्रशासन ने कहा कि पंपला बांध से 500 क्यूमेक्स (क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड) पानी छोड़ने और कल्लार बांध के दो फाटक 10 सेंटीमीटर बढ़ाने की अनुमति दी गई है। प्रशासन ने कहा कि दोनों बांधों के जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा और उनके जल भंडारण स्तर में वृद्धि को देखते हुए यह अनुमति दी गई थी। प्रशासन ने पेरियार, कल्लार और चिन्नार नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और अधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को इडुक्की और राज्य के तीन अन्य जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया था। भारी बारिश के बाद राज्य के कुछ हिस्सों में भूस्खलन की भी खबरें हैं। स्थानीय अधिकारियों ने कहा था कि भूस्खलन में एक एकड़ से अधिक कृषि भूमि नष्ट हो गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ और कोई मकान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। 'येलो अलर्ट' का मतलब छह से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश होना है।

आगरा में पातालकोट एक्सप्रेस में आग

आगरा/वार्ता। पंजाब के फिरोजपुर से मध्य प्रदेश के सिवनी जा रही 14624 पातालकोट एक्सप्रेस में आगरा जिले के मलपुरा क्षेत्र स्थित भाड़ई रेलवे स्टेशन के पास बुधवार दोपहर आग लग गई। इस हादसे में कुछ यात्रियों के झुलसने की सूचना है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार आगरा- ग्वालियर रेल मार्ग पर पंजाब के फिरोजपुर से मध्य प्रदेश के सिवनी जा रही पातालकोट एक्सप्रेस (14624) में आग लग गई। शुरुआती सूचनाओं में बताया गया कि दो बोगियों में आग लगी। इसके बाद आई सूचना में चार बोगियों में आग की जानकारी मिली। ट्रेन की बोगियों से आग की लपटें उठती दिखायी दीं। हादसे के बाद अफरातफरी मच गई और यात्रियों ने कूद कर अपनी जान बचायी। हादसे में कुछ यात्रियों के झुलसने की सूचना मिली है हालांकि अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मौके पर रेलवे के अधिकारी और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गई हैं। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

'आत्मा की प्रगति व उन्नति के लिए सम्यक दर्शन की आराधना जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम एलएनपुरम श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में शाश्वती ओली के छठे दिन मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने सम्यक दर्शन की महत्ता को समझाते हुए कहा कि अगर जीवन की उन्नति, प्रगति करनी हो तो हम बहुत पुरुषार्थ और मेहनत करते हैं तब जाकर के हमारी जीवन की प्रगति होती है, लेकिन वह तो सिर्फ बाह्य प्रगति है ।

अगर आत्मा की प्रगति करनी हो तो प्रभु के ऊपर पूर्ण विश्वास पूर्ण श्रद्धा करना होगा जिसे हम सम्यक दर्शन कहते हैं।

आत्मा की उन्नति -प्रगति का लिए सम्यक की आराधना और सिद्ध पद की प्राप्ति जरुरी है। परमात्मा के प्रति दृढ़ श्रद्धा, विश्वास रखकर की गई आराधना से प्रभु व सिद्ध पद की प्राप्ति होती है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि सम्यक दर्शन के बिना आत्मा का उद्धार नहीं होता। आत्मा अनंत संसार में भटकती रहती है जब तक उसके पास में सम्यक दर्शन नहीं हो। अंनतकाल से आत्मा संसार में भटकता रहती है, लेकिन सम्यकदर्शन की प्राप्ति होने के बाद में शाश्वत मोक्ष सुख की यात्रा कर प्रारंभ हो जाती है।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ भुवनेश्वरी ने शुरू की बस यात्रा

नारावरिपल्ली (आंध्र प्रदेश)/ भाषा। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की पत्नी एन भुवनेश्वरी ने बुधवार को अपनी 'निजाम गेलावली'(सच्चाई की होगी जीत) बस यात्रा शुरु की। यह यात्रा आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम घोटाले को लेकर जेल में बंद उनके पति की 'अवैध गिरफ्तारी' के विरोध और लोगों तक पहुंचने के लिए शुरू की गई है।

भुवनेश्वरी यात्रा के दौरान राज्य भर में पूर्व मुख्यमंत्री नायडू की गिरफ्तारी के बारे में सुनकर सदमे से मरने वाले लोगों के परिवारों से मुलाकात करेंगी और उन्हें सांत्वना देंगी। भुवनेश्वरी ने चित्तूर जिले के नारावरिपल्ली गांव में अपने पिता और टीडीपी के संस्थापक एन टी रामा राव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर यात्रा की शुरुआत की। बाद में, उन्होंने चंद्रगिरि में ए प्रवीण रेड्डी के परिवार से मुलाकात की, जिनकी 17 अक्टूबर को टीडीपी सुप्रीमो की कथित अन्यायपूर्ण कैद के कारण सदमे से मौत हो गई थी।

भुवनेश्वरी ने रेड्डी की मां को सांत्वना दी और इस कठिन घड़ी में उनके परिवार को मजबूत नैतिक समर्थन की पेशकश की, जिसमें 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी शामिल है। नायडू को कौशल विकास निगम से कथित तौर पर धन का दुरुपयोग करने के आरोप में नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था जिससे राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था।

सोमैया ने दानवे व मराठी समाचार चैनल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया

अश्लील वीडियो मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने अपने एक कथित अश्लील वीडियो को अपलोड किये जाने के मामले में महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, लोकशाही समाचार चैनल और यूट्यूबर अनिल थट्टे के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय में मानहानि के तीन मुकदमे दायर किये हैं। सोमैया ने वीडियो को लेकर उनके खिलाफ दिये गये अपमानजनक बयानों के लिए मानहानि के हर्जाने के तौर पर एक-एक सौ करोड़ रुपये का दावा किया है। उन्होंने प्रतिवादियों को वीडियो हटाने, भविष्य में ऐसा कोई अपमानजनक वीडियो अपलोड न करने या उनके (सोमैया के) खिलाफ बयान न देने का निर्देश देने की भी मांग की।

सोमैया ने प्रतिवादियों से बिना शर्त माफीनामा भी दाखिल करने को कहा है। न्यायमूर्ति एसएम मोदक की एकल पीठ ने बुधवार को प्रतिवादियों को चार सप्ताह के भीतर अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। सोमैया के वकील हृषिकेश मुंदरगी ने अदालत को सूचित किया कि लोकशाही समाचार चैनल ने जुलाई में मानहानिकारक बयानों के साथ कथित अश्लील वीडियो चलाया था। मुंदरगी ने कहा, ''प्रतिवादियों (लोकशाही चैनल और दानवे) ने निंदनीय मंतव्य दिये। सोमैया एक शादीशुदा व्यक्ति हैं और उनके बच्चे भी हैं। उनकी समाज में एक राजनीतिक प्रतिष्ठा है। उन्होंने कुछ नेताओं के कई घोटालों का खुलासा किया है, जिसके बाद ये कथित वीडियो सामने आए हैं।'' उन्होंने कहा कि सोमैया द्वारा पहले ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है और जांच जारी है।

निपाह के इलाज के लिए 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' स्वदेशी रूप से विकसित की जाएंगी : केरल की स्वास्थ्य मंत्री

तिरुवनंतपुरम/भाषा। निपाह संक्रमण के खिलाफ एकमात्र उपचार 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' को इस घातक वायरस से निपटने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित किया जाएगा। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बुधवार को यह जानकारी दी। जॉर्ज ने बताया कि मोनोक्लोनल एंटीबॉडी विकसित करने के लिए दो राष्ट्रीय और केरल सरकार के एक संस्थान द्वारा निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि केरल सरकार का इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड वायरोलॉजी, राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (आरजीसीबी) और पुणे स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी इस प्रयास में शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि इस विषाणु संक्रमण से उबरने वाले मरीजों की कोशिकाओं का उपयोग करके एंटीबॉडी विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। इस विषाणु से पिछले महीने राज्य के कोझिकोड जिले में छह लोग संक्रमित हो गए थे जिनमें से दो की मौत हो गई थी।

दादा गुरुदेव की आरती में बच्चों को किया पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदि के तत्वावधान में दादा गुरुदेव की विशेष आरती का आयोजन किया गया। इस मौके पर लगभग 80 बच्चों ने दादा की आरती की तथा गायक पूजा लुणिया व दिनेश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी।

कमलाबाई मिश्रीमल गादिया परिवार ने गुरुदेव की आरती का लाभ लिया। कार्यक्रम में गायकों सहित पूजा करने वाले बच्चों का सम्मान किया गया। इस मौके पर सत्तावीश ओसवाल जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष जेठमल गादिया, आरती मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, रवि मकराणी, सुरेश जैन, सुरेश राठौड़, दिनेश चौहान आदि उपस्थित थे।

होंडा ने भविष्य के समग्र गतिशीलता समाधानों के लिए सेल्फ ड्राइविंग, एआई पर लगाया दांव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तोक्यो/भाषा। जापानी वाहन कंपनी होंडा मोटर के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तोशीहिरो मिबे ने कहा कि कंपनी सेल्फ ड्राइविंग और जेनरेटिव एआई जैसी नई प्रौद्योगिकियों पर बड़ा दांव लगा रही है। कंपनी का मकसद लोगों को भविष्य में समग्र गतिशीलता समाधान प्रदान करते हुए समय तथा स्थान जैसी विभिन्न बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाना है।

मिबे ने यहां 'जापान मोबिलिटी शो' में सेल्फ ड्राइविंग वाहन 'क्रूज ओरिजिन' का अनावरण किया। जीएम और क्रूज़ के साथ होंडा ने 2026 की शुरुआत में 'होंडा सीआई-एमईवी' सेल्फ-ड्राइविंग माइक्रो के साथ जापान में ड्राइवर के बिना चलने वाले वाहन पेश करने की योजना बनाई है। इसके अलावा कंपनी ने इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार प्रील्यूड कॉन्सेप्ट का भी अनावरण किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह स्पोर्ट मॉडल के ''हमारे भविष्य के मॉडल के लिए एक शुरुआती कदम होगा।'' साथ ही मिबे ने बताया कि होंडा एक जेनेरिक एआई-संचालित अनुभव के जरिए अपनी 'ड्रीम मोबिलिटी' भी तैयार कर रही है।

गोवा समुद्री सम्मेलन में 12 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली/वार्ता। गोवा समुद्री सम्मेलन के चौथे संस्करण का 29 से 31 अक्टूबर तक नेवल वॉर कॉलेज, गोवा के तत्वावधान में आयोजन किया जा रहा है। नौसेना द्वारा आयोजित यह सम्मेलन समुद्री सुरक्षा के कार्य में जुटे लोगों और शिक्षाविदों को विचार विमर्श के लिए बहुराष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। दो वर्ष में 1 बार होने वाले इस सम्मेलन का पहला संस्करण 2017 दूसरा 2019 और तीसरा 2021 में आयोजित किया था। सम्मेलन में विभिन्न देशों की नौसेनाओं और समुद्री एजेन्सियों के प्रमुख समसामयिक और भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने के साथ-साथ रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन का विषय हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा: सामान्य समुद्री प्राथमिकताओं को सहयोगात्मक ढांचे में परिवर्तित करना है।

पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए रेल कनेक्टिविटी जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/वार्ता। हिमाचल में पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए मुंबई, चेन्नई और बेंगलूरु से चंडीगढ़ या फिर कालका तक रेल कनेक्टिविटी जरूरी है। महाराष्ट्र और गुजरात से बड़ी संख्या में पर्यटक हिमाचल आते हैं।

दक्षिण भारत पर्यटन की दृष्टि से एक और अच्छा बाजार है। कम रेल कनेक्टिविटी के कारण हिमाचल दक्षिण से पर्यटकों की आमद का दोहन नहीं कर सका। अहमदाबाद, मुंबई और बेंगलूरु, चेन्नई से रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता है। वर्तमान में उपरोक्त शहरों से केवल एक ट्रेन चंडीगढ़ आती है। साबरमती एक्सप्रेस अहमदाबाद से आती है और पश्चिम एक्सप्रेस मुंबई से सप्ताह में सातों दिन आती है, लेकिन दक्षिण से बेंगलूरु से सप्ताह में केवल एक बार और चेन्नई से सप्ताह में दो बार एक ट्रेन आती है। जबकि जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बहुत अच्छी रेल कनेक्टिविटी है। मुंबई, चेन्नई, हावड़ा, अहमदाबाद और बेंगलूरु

आदि से। उपरोक्त शहरों से चंडीगढ़ के लिए दैनिक ट्रेन सेवा हिमाचल के पर्यटन के लिए एक बड़ा उछाल ला सकती है। हमारा सुझाव है कि मुंबई और चंडीगढ़ के बीच वंदे भारत ट्रेन शुरू करना समय की मांग है. इससे गुजरात से कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी क्योंकि मुंबई चंडीगढ़ मार्ग सूरत और अहमदाबाद को कवर करता है। दक्षिण भारत से हिमाचल में पर्यटकों को आकर्षित करने की काफी गुंजाइश है जिसके लिए चेन्नई और बेंगलूरु से ट्रेन सेवा को सप्ताह में सातों दिन संचालित करने की आवश्यकता है। पर्यटकों की आमद को प्रति वर्ष पांच करोड़ तक बढ़ाने का सरकार का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है जब हवाई और रेल दोनों कनेक्टिविटी में सुधार किया जाए। हम माननीय मुख्यमंत्री से वंदे भारत ट्रेन शुरू करने के लिए केंद्र के साथ मामला उठाने का आग्रह करते हैं। मुंबई से चंडीगढ़ और सप्ताह में सातों दिन चेन्नई और बेंगलूरु से ट्रेन चलाकर दक्षिण से ट्रेन कनेक्टिविटी को मजबूत करना। हम एयर कनेक्टिविटी में सुधार के लिए पहल करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के आभारी हैं। शिमला होटल और टूरिज्म स्टेक होल्डर्स एसोसिएशन ने अंबाला-शिमला के बीच हवाई सेवा शुरू करने के सरकार के फैसले की सराहना की और जयपुर से हवाई सेवा शुरू करने की योजना बनाई है।

चन्द्र ग्रहण भारत में दृश्य होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साल 2023 का आखिरी चन्द्र ग्रहण आसोज सूदी पूर्णिमा शनिवार 28 अक्टूबर को मध्य रात्रि 01 बजकर 05 मिनिट से प्रारंभ होगा व मध्य रात्रि 02 बजकर 23 मिनिट पर मोक्ष होगा। चंद्र ग्रहण का सूतक दिन में 04 बजकर 05 मिनिट से प्रारंभ होगा।

चंद्र ग्रहण के समय दान-पुण्य करने का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है, इस दौरान राशि अनुसार दान किए जाए तो कुंडली के कई दोषों का असर कम हो सकता है। जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आती है तब ग्रहण लगता है। वैज्ञानिक नजरिए से ग्रहण एक खगोलीय घटना मात्र है, लेकिन धार्मिक दृष्टि से ग्रहण की घटना को शुभ नहीं माना जाता है।

इस बार चंद्र ग्रहण अश्विनी नक्षत्र और मेष राशि में हो रहा है, अश्विनी नक्षत्र और मेष राशि में जन्मे व्यक्तियों के लिए विशेष अशुभ रहेगा साथ ही दुर्घटना का भय भी बना रहेगा। आश्विन मास में चंद्र ग्रहण होने से कहीं प्रकृति-प्रकोप, दुर्भिक्ष भय, जन-धन की हानि आशंका भी रहेगी।

राशि अनुसार चन्द्र ग्रहण का प्रभाव : मेष, वृषभ, कन्या, मकर राशि वालो के लिए ग्रहण का प्रभाव अशुभ रहेगा, सिंह, तुला, धन, मीन राशि वालों के लिए सामान्य रहेगा व मिथुन, कर्क, वृश्चिक, कुंभ राशि वालों के लिए ग्रहण का प्रभाव शुभ रहने के योग बन रहे है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल प्रारंभ होते ही शुभ कार्य व मंदिरों में पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। ग्रहण के समय अपने इष्टदेव का स्मरण गुरु मंत्र का जाप करना चाहिए। ग्रहण के दौरान कई तरह की विशेष सावधानियां बरती जाती है। गर्भवती महिलाओं को ग्रहण नहीं देखना चाहिए, ग्रहण के बाद स्नान, दान-पुण्य करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

■ पंडित जगदीश आचार्य,
मोबाइल : 9448417398.

कर्नाटक कैबिनेट में फेरबदल को लेकर कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर कैबिनेट में संभावित फेरबदल की चर्चाओं और मंत्री पद को लेकर दावेदारों द्वारा अपनी आकांक्षाएं खुलकर व्यक्त करने के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व इस पर फैसला करेगा।

मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि इसने सत्ता में रहते हुए राज्य को वित्तीय दिवालियेपन और कर्ज में धकेला है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस और भाजपा के कार्यकाल के दौरान राज्य की वित्तीय स्थिति पर विधानसभा में एक श्वेतपत्र पेश करने के लिए तैयार हैं। सिद्दरामैया ने कैबिनेट में फेरबदल की संभावना और मंत्री बनने की कई विधायकों की इच्छा से संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा, मंत्री बनने की इच्छा रखने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन कैबिनेट का विस्तार करना है या इस संबंध में कुछ और करना है, यह आलाकमान को तय करना है। यह हम तय नहीं करेंगे। विधानसभा में सरकार के मुख्य सचेतक अशोक पट्टन ने हाल में दावा किया था कि कैबिनेट में फेरबदल होने वाला है और उन्होंने खुद को मंत्री पद का आकांक्षी बताया था। रामदुर्ग से विधायक ने कहा था कि कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और केसी वेणुगोपाल ने उन्हें आश्वासन दिया है कि ढाई साल बाद कैबिनेट में फेरबदल होगा, जिसमें उनके जैसे वरिष्ठ नेताओं को जगह दी जाएगी।

शांतिनगर से विधायक एन ए हारिस ने भी कहा, मुझे आने वाले कल में नहीं, गुजरे हुए कल में मंत्री बनना चाहिए था। मैं इसके योग्य हूं। विपक्षी भाजपा द्वारा राज्य सरकार को एटीएम सरकार कहे जाने और संग्रह के माध्यम से भ्रष्टाचार का आरोप लगाए जाने से संबंधित सवाल पर सिद्दरामैया ने आरोप से इनकार किया और इसे ''झूठा'' कहकर खारिज किया।

उन्होंने भाजपा पर 'ऑपरेशन लोटस' का आरोप लगाते हुए कहा, 'उनके पास पैसा कहां से आया? उन्होंने कर्नाटक को दिवालिया बना दिया है, कौन जिम्मेदार है? उन्होंने राज्य में बिजली पैदा नहीं की और वे राज्य में बिजली संकट के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें क्या नैतिक अधिकार है?'

'ऑपरेशन लोटस' 2008 में बीएस येडीयुरप्पा के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए भाजपा द्वारा कथित तौर पर कई विपक्षी विधायकों को दलबदल के लिए लालच देने की घटना के संदर्भ में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा बताए कि उसने सत्ता में रहते हुए राज्य के लिए क्या काम किया। उन्होंने दावा किया कि प्रमुख विपक्षी दल ने राज्य को दिवालिया बना दिया और राज्य को कर्ज में धकेल दिया।

सिद्दरामैया ने कहा, 'धन नहीं होने के बावजूद, उन्होंने सत्ता छोड़ने से पहले कार्य आदेश जारी किए, निविदाएं आमंत्रित कीं और बिल लंबित रखे। लगभग 30,000 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या पहले हमारे कार्यकाल के दौरान ऐसा कुछ था-- उन्हें कहने दीजिए। मैं विधानसभा में हमारे और भाजपा के कार्यकाल के दौरान राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेतपत्र पेश करने के लिए तैयार हूं।'

कुरुबरहल्ली वेंकटरामारेड्डी अरविंद ने अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कुरुबरहल्ली वेंकटरामारेड्डी अरविंद को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। राज्यपाल ने बुधवार को राजभवन के बैंक्वेट हॉल में एक सादे समारोह में अतिरिक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाई। इस मौके पर समारोह में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले, सरकार की मुख्य सचिव श्रीमती वंदिता शर्मा, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गणमान्य व्यक्ति और अधिकारी उपस्थित थे।

पुस्तक विमोचन

बेंगलूरु इंटरनेशनल सेंटर में लेखक शशांक मणि द्वारा लिखित व पेंगुइन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'मिडिल ऑफ डायमंड इंडिया' नामक अंग्रेजी संस्करण पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक में जन भागीदारी और उद्यम के माध्यम से राष्ट्रीय पुनर्जागरण की बात कही गई है। औपचारिक लॉन्च से पहले मनीष साबरवाल आदि ने पुस्तक के कुछ अंश सुनाए। विमोचन के मौके पर कार्तिक वेंकटेश, वनिता विश्वनाथ, शोएब अहमद और संजय धवन आदि मौजूद थे।

वन्यजीवों से जुड़ी वस्तुएं रखने की शिकायत के बाद अभिनेता दर्शन, एमपी जग्गेश जांच के दायरे में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम यह जांच करने के लिए विभिन्न स्थानों का दौरा करेगी कि क्या उन प्रसिद्ध हस्तियों और अन्य लोगों के पास वन्यजीवों से जुड़ी वस्तुएं हैं जिनके खिलाफ शिकायतें मिली हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनके पास ऐसी वस्तुएं पाई गईं तो उनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कर्नाटक के पर्यावरण एवं वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि देश का कानून बिना किसी भेदभाव के सभी पर लागू होता है और सरकार कानून के अनुसार काम करेगी। वन विभाग का यह कदम 'बिग बॉस कन्नड़' रियलिटी शो के प्रतियोगी वर्थुर संतोष को कथित तौर पर बाघ के पंजे का पेंडेंट पहनने के लिए

रविवार को सेट से गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। बाद में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उनकी गिरफ्तारी के बाद, कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन, अभिनेता से नेता बने और भाजपा के राज्यसभा सदस्य जग्गेश तथा जद-एस नेता निखिल कुमारस्वामी की कथित तौर पर ऐसे पेंडेंट पहने हुए कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली गईं। अभिनेता-राजनेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने बाघ के पंजे का जो पेंडेंट पहना था, वह नकली था।उन्होंने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, मीडिया में यह खबर आई है कि निखिल कुमारस्वामी ने अपनी शादी के दौरान बाघ के पंजे वाला पेंडेंट पहना था। यह सच से परे है। मैं निश्चित रूप से वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की गंभीरता से अवगत हूं। मैंने बाघ के पंजे का जो पेंडेंट पहना हुआ था वह नकली था, असली नहीं। यह मेरी शादी के लिए उपहार के रूप में दिया गया था। मेरे पास वह अब भी है। संबंधित अधिकारी सत्यापन कर सकते हैं। कृपया अनुरोध है कि कोई भी ऐसी खबरें न फैलाएं जिनमें सच्चाई न हो।अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), कुमार पुष्कर ने कहा कि विभाग को दर्शन, प्रमुख निर्माता रॉकलाइन वेंकटेश, अभिनेता से नेता बने जग्गेश, वेंकटेश्वर स्वामी के खिलाफ कुनिगल और चिक्कमंगलूरु में विनय गुरुजी सहित अन्य के खिलाफ औपचारिक शिकायत मिली है।

प्लेन के वॉशरूम में छुपाया गया 1 किलो सोने का बार बरामद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु में सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने अबू धाबी से आए एक विमान की तलाशी ली और वॉशरूम में छिपाए गए एक पाउच में एक किलोग्राम सोने की ईंट बरामद की। यह जानकारी बुधवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई। बयान में कहा गया है, ''24 अक्टूबर, 2023 को एयर कस्टम्स के अधिकारियों ने फ्लाइट ईवाई-238 में तलाशी ली, जो अबू धाबी से आई थी।तलाशी के दौरान विमान के वॉशरूम में ब्लैक कलर का पाउच मिला, जिसमें सोने का पेस्ट था। 80,21,920 लाख रुपये कीमत का 1331.66 ग्राम सोना बरामद किया गया। इससे पहले, बेंगलूरु एयर कस्टम्स के अधिकारियों ने 22 अक्टूबर को कुआलालंपुर, दुबई और कोलंबो से आए चार यात्रियों को रोका और 1.76 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग तीन किलोग्राम सोना जब्त किया। दो यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की जांच जारी है।

अमेजन बिजनेस पर व्यवसाय संबंधित उत्पादों पर ऑफर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इस त्योहारी सीजन में अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2023के तहत ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन बिजनेस पर कारोबारियों को आकर्षक ऑफरों की पेशकश की गयी है। कंपनी ने बुधवार यहां जारी बयान में कहा कि बिजनेस कस्टमरों को आसुस, डेल, हॉनर, व्हर्लपूल, सीपी प्लस सहित टॉप ब्रांडों के लैपटॉप, डेस्कटॉप और मॉनिटर, एप्लाएंसेस, वैक्यूम क्लीनर्स, वॉशिंग मशीन, फ्रिज, ऑफिस चेयर्स, सिक्यूरिटी कैमरा, टूल्स, और इंस्ट्रूमेंट्स आदि सभी श्रेणियों के अद्वितीय उत्पादों पर पहले कभी न देखी गई डील्स और ऑफर्स का लुत्फ उठा सकते हैं। अमेजन बिजनेस पर बिजनेस कस्टमर्स जीएसटी बिल के साथ 28 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं और 15,000 से ज्यादा जीएसटी-सक्षम उत्पादों पर थोक खरीद छूट के साथ 40 प्रतिशत तक की बचत कर सकते हैं। 10 लाख से अधिक विक्रेताओं द्वारा पेश किए गए 19 करोड़ से ज्यादा उत्पादों के जीएसटी सक्षम चयन के साथ, व्यावसायिक उद्यम अपनी खरीद पर बड़ी बचत कर सकते हैं।

अमेजन बिजनेस का लक्ष्य भारत में सभी प्रकार और आकार के व्यवसायों के लिए खरीदारी को आसान और कुशल बनाने के लिए प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी मूल्य निर्धारण और व्यापक डिलीवरी कवरेज के साथ जीएसटी सक्षम चयन को एक मंच पर उपलब्ध कराना है।

रामनगर जिले को लेकर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कुमारस्वामी के बीच वाकयुद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि अब रामनगर का पूरा जिला, बेंगलूरु का हिस्सा है और इसके चार तालुका के निवासी बेंगलूरुवासी हैं। रामनगर जिले को बेंगलुरु में शामिल करने को लेकर जारी खींचतान के बीच जनता दल (सेक्युलर) के नेता कुमारस्वामी और कांग्रेस नेता शिवकुमार के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया है। शिवकुमार इस क्षेत्र से हैं और जिले के कनकपुरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शिवकुमार ने कहा कि उनके पास रामनगर जिले को बेंगलूरु के अंतर्गत लाने की एक योजना और एक खाका है, तथा वह आने वाले दिनों में इसका खुलासा करेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि उन्हें इस मुद्दे की जानकारी नहीं है क्योंकि शिवकुमार ने इस संबंध में उनसे चर्चा नहीं की है।

जिले के रामनगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने शिवकुमार पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि इस कदम का उद्देश्य अवैध या ''बेनामी संपत्तियों'' को नियमित करना हो सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि शिवकुमार को यह समझना चाहिए कि ''सात जन्म लेने के बाद भी कोई रामनगर जिले को विभाजित नहीं कर सकता है।'' जब अगस्त 2007 में रामनगर जिला बनाया गया था, तब कुमारस्वामी जद (एस)-भाजपा गठबंधन के मुख्यमंत्री थे। जिले में - रामनगर, चन्नापटना, मागड़ी और कनकपुरा तालुक शामिल हैं।

शिवकुमार ने कहा, ''पूरा रामनगर जिला बेंगलूरु का हिस्सा है। मागड़ी, चन्नापटना, कनकपुरा और रामनगर - बेंगलूरु हैं। इस योजना को क्या आकार देना है, मैं इसके बारे में आने वाले दिनों में बताउंगा।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''इसे आकार देने की इतनी जल्दी नहीं है, हम आने वाले दिनों में इसे आकार देंगे, इसके लिए एक खाका तैयार है।''

कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वैज्ञानिक तरीके से विचार करने और लोगों को होने वाले फायदे और नुकसान की जांच करने के बाद रामनगर जिले का गठन किया गया था।

शिवकुमार पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा, ''उनके दिमाग में क्या चल रहा है? क्या यह कनकपुरा में सोने जैसी कीमती जमीनें लूटना और उन्हें बिल्डरों को सौंपना है? या बेनामी जमीनों पर किला बनाना है, जिन पर पहले से ही बाड़ लगाई जा चुकी है? अगर आप (शिवकुमार) हमें बताएं, तो हम आभारी रहेंगे।''

शोभा करंदलाजे और विजयेंद्र कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा में अंदरूनी कलह की खबरों के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के बेटे तथा विधायक बी.वाई. विजयेंद्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आलाकमान ने पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, विधायक बसनगौड़ा पाटिल, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि तथा पूर्व मंत्री और कट्टर हिंदुत्ववादी नेता वी. सुनील कुमार के नामों पर भी विचार किया है।

फिलहाल सांसद नलिन कुमार कतील प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनका कार्यकाल खत्म हो चुका है। नए प्रमुख की चर्चा कर्नाटक में पांच महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव के बाद से ही चल रही है, जिसमें पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। विपक्षी कांग्रेस राज्य अध्यक्ष और राज्य विधानमंडल में विपक्ष के नेता के पदों के लिए उम्मीदवारों की नियुक्ति करने में विफल रहने के लिए भगवा पार्टी पर निशाना साध रही है।

राज्य में दिसंबर में शीतकालीन सत्र होगा और पार्टी नेताओं को उम्मीद है कि आलाकमान इस पर फैसला लेगा और उन्हें कांग्रेस नेताओं की आलोचना से बचाएगा। हालांकि, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का ध्यान अभी भी देश के पांच राज्यों में नवंबर में होने वाले चुनावों पर है।

सूत्रों ने बताया कि विधानसभा चुनाव में रणनीति पूरी तरह विफल होने के कारण आलाकमान फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा और राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष के बीच के बीच अंदरूनी कलह के कारण भी पार्टी इस संबंध में निर्णय नहीं ले पा रही है। चूंकि दोनों नेता एक-दूसरे के हितों को कुचलना चाहते हैं, इसलिए आलाकमान के लिए यह मुश्किल हो गया है क्योंकि वह राज्य में अपनी पकड़ खोना नहीं चाहता था। सूत्रों ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने येडीयुरप्पा को नजरअंदाज कर दिया और संतोष को प्रमुखता दी। विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कुल 72 नए चेहरों को टिकट दिया गया और वरिष्ठ नेता जगदीश शेट्टार, लक्ष्मण सावदी, के.एस. ईश्वरप्पा और कई अन्य लोगों को टिकट देने से इनकार कर दिया गया।

युवाओं और कामकाजी आयु वर्ग की पसंदीदा ट्रेन बनी वंदे भारत एक्सप्रेस

हुब्बली। ट्रेन संख्या 20662 धारवाड़ - केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस कामकाजी आयु वर्ग के यात्रियों के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरी है। हाल में किए गए एक नमूना आकार विश्लेषण में 62 प्रतिशत यात्री 25-59 वर्ष के आयु वर्ग के पाए गए हैं। यह ट्रेन उत्तर कर्नाटक को बेंगलूरु के हलचल भरे आईटी हब से जोड़ती है। ट्रेन धारवाड़ से दोपहर 01:15 बजे प्रस्थान करती है और शाम 07:45 बजे केएसआर बेंगलूरु पहुंचती है। यह रास्ते में एसएसएस हुब्बली, दावणगेरे और यशवंतपुर में रुकती है।

कर्नाटक सरकार ने केंद्र से 17,901 करोड़ रुपये का सूखा राहत पैकेज मांगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार ने इस साल खरीफ सीजन में सूखे के कारण प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए बुधवार को केंद्र से 17,901.73 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की मांग की। कर्नाटक के कृषि मंत्री एन. चेलुवराय स्वामी, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियंक खरगे और राजस्व मंत्री कृष्णा बायर गौड़ा ने केंद्रीय कृषि सचिव मनोज कुमार आहूजा और गृह सचिव अजय कुमार भल्ला से अलग-अलग मुलाकात की और उन्हें कर्नाटक में सूखे की स्थिति के बारे में जानकारी दी। राज्य के तीनों मंत्री सूखा प्रबंधन पर कर्नाटक मंत्रिमंडल की उप-समिति के सदस्य भी हैं। गौड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने एनडीआरएफ मानदंडों के अनुसार कुल 17,901.73 करोड़ रुपये के सूखा राहत पैकेज की मांग की है। हमने केंद्र सरकार से जल्द से जल्द धनराशि जारी करने का अनुरोध किया है।'' उन्होंने कहा कि 22 सितंबर तक, पूरे राज्य में 26 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण खरीफ सीजन के दौरान लगभग 45.55 लाख हेक्टेयर कृषि और बागवानी फसल का नुकसान हुआ। राज्य ने अब तक 216 तालुकों में सूखा घोषित किया है और नवंबर के पहले सप्ताह में और अधिक तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित करने की संभावना की पड़ताल की जाएगी। राजस्व मंत्री ने कहा कि अनुमानित 17,901 करोड़ रुपये की सूखा राहत निधि में से राज्य सरकार ने पहली बार उन परिवारों के लिए 12,577 करोड़ रुपये की मांग की है जिनकी आजीविका 90 दिन के सूखे के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य ने इस साल खरीफ सीजन (जुलाई-जून) के दौरान कृषि और बागवानी फसल के नुकसान के लिए 4414.29 करोड़ रुपये की मांग की है, जबकि पशु चारा के लिए 355 करोड़ रुपये और सूखा प्रभावित तालुकों में पेयजल सहायता प्रदान करने के लिए 554 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

बिजली कटने से परेशान किसान विद्युत कार्यालय में मगरमच्छ लेकर पहुंचे

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा में किसानों ने बिजली कटौती के खिलाफ एक असामान्य विरोध प्रदर्शन किया जिसमें वे सरकारी हुब्बल्ली बिजली आपूर्ति कंपनी (हेसकॉम) के कार्यालय में मगरमच्छ को लेकर गए। बिजली की कटौती से किसानों को कृषि गतिविधियों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिसके विरोध में वे मगरमच्छ लेकर गए। किसानों को दिन में अपर्याप्त बिजली आपूर्ति के कारण रात को खेतों में जाना पड़ता है जिससे उन्हें जंगली जानवरों और सांपों का खतरा होता है।

पिछले सप्ताह एक किसान को उसके खेत में एक मगरमच्छ दिखा। किसान देर रात बिजली आने के बाद फसलों को पानी देने गया था। ग्रामीणों ने बताया कि मगरमच्छ पास की कृष्णा नदी से शिकार की तलाश में आया होगा। इसके बाद किसान ने तुरंत साथी ग्रामीणों को बुलाया जिन्होंने मगरमच्छ को बांध दिया और 19 अक्टूबर को खतरे का आभास कराने के लिए हेसकॉम के कार्यालय ले गए।

प्रदर्शन

ಬೆಲಗಾವಿ ಯಲ್ಲಿ ಬುಧವಾರ ಕು ಬೆಲಗಾವಿ ನಗರ ನಿಗಮ (ಬೀಸಿಸಿ) ಕ ಸಾಮನೆ ಅಪನಿ ವಿಭಿನ್ನ ಲಂಬಿತ ಮಾಂಗೊ ಕ ಸಮರ್ಥನ ಮೆ ಪ್ರದರ್ಶನ ಕೆ ದೌರಾನ ನಾರೆ ಲಗಾತೆ ವಿಭಿನ್ನ ದಲಿತ ಸಂಗಠನೊ ಕೆ ಸದಸ್ಯ.

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फैक्स : 080-28094180, फोन : 080-28094182/4541.

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

ई-निविदा सूचना सं (एनआईटी)	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/ई-निविदा-63/2023-24 दिनांक 25.10.2023
कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में मौजूदा एलटी पैनल में मौजूदा एयर सर्किट ब्रेकर (एसीबी) का प्रतिस्थापन।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 15.51 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	02 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	26.10.2023 को 16.00 बजे से 08.11.2023 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	27.10.2023 को 11.00 बजे से 09.11.2023 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	10.11.2023 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	13.11.2023 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	15.11.2023 को 11.00 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 31,020.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

मोदी सरकार की घोषणाएं खोखली : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि उसकी घोषणाएं खोखली हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सिर्फ गिने-चुने उद्योगपतियों के लिए चल रही है। वह झुंझुनू के अरड़ावता में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना, महिला आरक्षण सहित कई मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा,इनकी खोखली घोषणाएं हैं, खाली लिफाफे हैं। ये जो भी घोषणा करते हैं उन्हें जमीन पर नहीं उतारते हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस की सरकारें अपनी सारी घोषणाओं को जमीन पर उतार रही हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा,आज जो मोदी जी की सरकार है,भाजपा की सरकार है, उसमें आपकी कोई सुनवाई नहीं है। यह सरकार सिर्फ गिने-चुने उद्योगपतियों के लिए चल रही है। देवनारायण जी के मंदिर में प्रधानमंत्री द्वारा डाले गए लिफाफे में से कथित तौर पर 21 रुपए निकलने की टीवी पर दिखाई गई घटना का जिक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने यह कटाक्ष भी किया,मोदी जी का लिफाफा खाली है। जनसभा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा राजस्थान की कांग्रेस सरकार में 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है।ग्रामीण क्षेत्रों की 1000 इंदिरा रसोई में 8 रुपए में पौष्टिक आहार मिल रहा है। 500 रुपए में गैस सिलेंडर मिल रहा है। 1 करोड़ लोगों को बिजली फ्री मिली है। मिनिमम इनकम गारंटी एक्ट लागू है।

5 लाख गिग वर्कर्स के लिए कानूनी सुरक्षा है। 12वीं तक शिक्षा मुफ्त है। 9 सरकारी यूनिवर्सिटी और 309 नए कॉलेज खुले हैं। 2500 नए महात्मा गांधी राजकीय स्कूल खोले गए हैं। हर जिले में अस्पताल, नर्सिंग होम हैं। सरकारी नौकरियों में ठेका प्रथा खत्म हो चुकी है। 21 लाख किसानों का 14 हजार करोड़ का कर्ज माफ हुआ है। अन्नपूर्णा फूड पैकेट मिल रहा है।

राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध होने पर प्रियंका क्यों नहीं बोलतीं? : राज्यवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजनैतिक पर्यटन डिविजन पर झुंझुनू आई प्रियंका वाड्रा पर महिला उत्पीड़न के मामलों में ''गिद्ध राजनीति '' करने का आरापे लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रेसवार्ता के दौरान प्रदेश की जनता की ओर से 12 ज्वलंत सवाल दागे हैं। जिसमें मुख्य रूप से दुष्कर्म, महिला उत्पीड़न, किसान आत्महत्या, दलित उत्पीड़न, किसानों की जमीन नीलामी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बेराजगारी और प्रदेश में व्याप्त कांग्रेस की लूट को लेकर प्रियंका-राहुल पर सवालों के जरिये बड़ा हमला बोला है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का संचालन करने वाले मुख्य परिवार की हस्ती प्रियंका वाड्रा आज राजनैतिक पर्यटन डिविजन पर राजस्थान के झुंझुनू आई हैं। महिला सुरक्षा के अंदर ये लोग गिद्ध राजनीती करते हैं, राजस्थान के बाहर जब कोई महिला अपराध होता है तब ये लोग जमकर मीडिया में बयान बाजी करते हैं, लेकिन जैसे ही राजस्थान का बॉर्डर आता है इनकी जबान पर ताला लग जाता है। प्रदेश में 35 हजार से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं हुई, लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने यहां की महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बयान तक दिया क्या ? क्या राजस्थान की महिलाएं प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस के लिए सम्मान की पात्र नहीं है ? इन लोगों की कथनी और करनी में मोटा फर्क सामने आता है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि देष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां महिला सुरक्षा संरक्षण और उत्थान की दिशा में काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रियंका वाड्रा का लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा राजस्थान में आकर सिमट कर रह जाता है। प्रदेश में करीब दो लाख महिला उत्पीड़न की रजिस्टर्ड घटनाएं दर्ज होने के बावजूद प्रियंका वाड्रा राजस्थान क्यों नहीं आई ? प्रदेश में 7,700 निर्दोश नागरिकों की हत्या होती है, लेकिन कांग्रेस की तरफ से किसी नेता ने संवदेना तक प्रकट क्यों नहीं की ? प्रियंका वाड्रा के भाई राहुल गांधी पिछले चुनावों में दस दिन में कर्जमाफी का वादा करके गायब हो गए और अब 1700 दिन बीत जाने पर प्रदेश की जनता उनसे सवाल पूंछती है कि कर्जमाफी क्यों नहीं हुई ? कर्ज से तंग आकर प्रदेश में करीब 350 किसानों ने आत्महत्या कर ली, लेकिन कांग्रेस सरकार मृतकों को किसान मानने से ही मना कर रही है। सरकार ने कहा कि खेत में काम करने वाला व्यक्ति किसान नहीं है जबतक उसके नाम से जमीन नहीं है। मेरा सवाल सरकार से यह है कि क्या मजदूर के प्रति आपकी संवदेनाएं नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रदेश में जेहादी मानसिकता के लोगों द्वारा कन्हैयालाल तेली, हरीष जाटव, आदर्श तापड़िया, योगेन्द्र मेघवाल, रतनलाल सोनी, कृष्णा वाल्मिकी और चिरंजीलाल सैनी सहित अनेक निर्दोश नागरिकों की हत्या की अनेक घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन कांग्रेस की तरफ से इन लोगों के प्रति कोई संवेदना और पीड़ा प्रकट क्यों नहीं की गई ? कर्जमाफी से झूझ रहे प्रदेष के 19,422 किसानों की जमीनें नीलाम हो जाती हैं, लेकिन प्रियंका वाड्रा की नजर इस तरह की खबरों पर क्यों नहीं जाती ? यदि कांग्रेस के नेताओं में जरा भी षर्म बची है तो उन्हे किसानों और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश के उन 70 लाख युवाओं का क्या दोष था जिनका कैरियर पेपर लीक की भेंट चढ़ गया। हम मान भी लें कि पैसा तो लौटाया जा सकता है, लेकिन जो कीमती समय इन युवाओं का चला गया उसे कांग्रेस सरकार कैसे लौटाएगी? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि आरपीएससी के भीतर राजनैतिक नियुक्ति के नाम पर बाबूलाल कटारा गैंग ने जो अपराध किया उसके लिए जिम्मेदार कौन है ? नेटबंदी, सुरक्षा और तमाम तामझाम करने के बावजूद प्रदेश में 19 बार पेपर लीक के मामले सामने आते हैं, आज प्रदेष के 70 लाख युवा पूछ रहे हैं कि इस पेपर लूट गैंग का सरगना कौन है ? यह जनता के सामने आना चाहिए। वहीं आप देखिए प्रदेश में एक ऐसी एकेडमी भी है जिसमें लिखित परीक्षा में नंबर कम आने पर इंटरव्यू में पास करके एक ही परिवार के लोगों को नौकरी दी जाती है, इस एकेडमी का प्रोफेसर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत है या कोई और ? बेरोजगारी भत्ते की घोषणा के बावजूद सत्ता में आते ही षर्तें लागू कर दी जाती हैं। मेरा सवाल यह है कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेष के कितने बेराजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया ?

भाजपा ने निर्वाचन आयोग से प्रियंका गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा पर राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान झूठे दावे करने के लिए 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी धार्मिक आस्था का उल्लेख करने का आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अर्जुन राम मेघवाल तथा पार्टी नेता अनिल बलूनी और ओम पाठक सहित भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस महासचिव के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए निर्वाचन आयोग को एक शिकायत सौंपी।

भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है कि वाद्रा ने 20 अक्टूबर को दौसा में एक जनसभा में कहा था कि उन्होंने टीवी पर देखा कि जब प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मंदिर में दिए गए दान का एक लिफाफा खोला गया तो उसमें केवल 21 रुपये थे। भाजपा के अनुसार, प्रियंका ने कहा कि उन्होंने खबर देखी है लेकिन उन्हें नहीं पता कि यह दावा सही है या नहीं। इसके बाद उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि भाजपा जनता को 'लिफाफे' दिखाती है लेकिन चुनाव के बाद उनमें कुछ नहीं मिलता। भाजपा ने अपनी शिकायत में उनकी टिप्पणी का एक वीडियो भी शामिल किया है। राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं।

मेघवाल और पुरी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने मौजूदा कानूनों के अनुसार 'अपराध' किया है। उन्होंने कहा, क्या प्रियंका गांधी कानून से ऊपर हैं? क्या वह किसी कानून में विश्वास करती है? वह वैमनस्य फैलाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर रही हैं। वह ऐसा नहीं कर सकतीं।

मेघवाल ने कहा कि मोदी के दान से संबंधित दावा झूठ है और मीडिया ने भी इसे प्रमुखता दी है। उन्होंने कहा कि वह (प्रियंका) जनवरी में प्रधानमंत्री की मंदिर यात्रा के संबंध में अब भी झूठ दोहरा रही हैं। भाजपा ने निर्वाचन आयोग से की गई शिकायत में कहा, प्रियंका गांधी के इस बयान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत धार्मिक श्रद्धा का उल्लेख करके स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की मूल बुनियाद का उल्लंघन किया है। भाजपा ने कहा कि उनकी टिप्पणी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन किया है। इसमें कहा गया है कि आईपीसी चुनाव के संबंध में गलत बयान देने को भी अपराध मानता है जब इरादा चुनाव के परिणाम को प्रभावित करना हो। भाजपा ने कहा, इसलिए, आयोग से अनुरोध किया जाता है कि वह आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तत्काल कार्रवाई के साथ-साथ आरपीए 1951 और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अनुसार उचित कानूनी कार्यवाही शुरू करे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी को भी झूठे, निंदात्मक और अपमानजनक बयान देकर, फर्जी कथा बनाकर चुनावों को प्रभावित करने की अनुमति न दी जाए या इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देकर लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत न किया जाए।

जमीनी विवाद को लेकर झगड़े में एक व्यक्ति की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना सदर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह जमीन को लेकर हुए झगड़े में एक व्यक्ति की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के झगड़े में ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या के मामला में पुलिस अधीक्षक मृदुल कछावा को स्थिति पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने हत्या के आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश भी दिये हैं।

मिश्रा ने कहा कि अड्डा गांव के ही बहादुर और अतर सिंह के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बयाना सदर थानाधिकारी जयप्रकाश परमार ने बताया कि अड्डा गांव के बहादुर गुर्जर और अतर सिंह गुर्जर के बीच चल रहे जमीनी विवाद को लेकर बुधवार सुबह दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई और उन्होंने एक-दूसरे पर हमला किया।

उन्होंने बताया कि इस दौरान अतर सिंह का पुत्र 30-35 वर्षीय निरपत गुर्जर जमीन पर गिर गया तभी बहादुर पक्ष के एक युवक ने निरपत के ऊपर ट्रैक्टर चढा दिया। परमार के अनुसार निरपत की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार इस घटना के पूर्व भी दोनों परिवारों में झगड़ा हुआ था और दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से इस संबंध में बहादुर गुर्जर और अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया गया है।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की शिकायत, मुख्य सचिव उषा शर्मा को तत्काल कार्यमुक्त करे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद भी मुख्य सचिव सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर कार्य कर रही है। मुख्य सचिव को पद से हटाने की मांग को लेकर राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। इसकी जानकारी देते हुए नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने प्रेसवार्ता कर कहा कि चुनाव आयोग की ओर से समय समय पर जारी किए परिपत्रों में निर्देशित किया गया है कि जिन अधिकारियों का सेवाकाल बढाया गया है वे चुनाव संबंधित किसी भी कार्य से जुड़े नहीं रह सकते।

राजस्थान में चुनाव के समय आचार संहिता की पालना में मुख्य सचिव की मुख्य भूमिका रहती है। चुनाव आयोग की ओर से जो स्क्रिनिंग कमेटी बनाई गई है उसमे पूरा नियंत्रण चैयरमेन के तौर पर मुख्य सचिव के पास ही रखा गया है। इस कमेटी में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव उषा शर्मा सेवाकाल बढाए जाने के कारण सरकार से उपकृत अधिकारी है, इसके कारण वर्तमान पद पर रहते हुए उनके द्वारा निष्पक्ष रूप से कार्य नहीं करने और उपकृत करने वाले राजनीतिक दल के पक्ष में अपने पद का दुरूपयोग किए जाने की संभावना है। इसके चलते तत्काल प्रभाव से उषा शर्मा को कार्यमुक्त किया जाए और आचार संहिता लागू होने के बाद उनके किए गए निर्णयों को भी शून्य घोषित किया जाए। इसके लिए भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को भी ज्ञापन सौंपेगा।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने कहा कि प्रदेश में महंगाई राहत शिविर लगाकर शुरू की गई अन्नपूर्णा राशन किट योजना, गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना और महिलाओ को स्मार्ट फोन योजना के लिए सरकार ने तीन माह के लिए ही बजट दिया था। ऐसे में अब ये सभी योजनाएं बंद हो गई है। इन योजनाओं के बंद होने का मुख्य कारण राज्य सरकार की ओर से पर्याप्त बजट का आवंटन नही किया जाना था ना कि आचार संहिता के कारण यह योजना रुकी है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश है कि चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी नेता धार्मिक आधार पर देवी देवताओं की पूजा अर्चना पर टिप्पणी नहीं करेगा लेकिन पिछले दिनों प्रियंका वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जो टिप्पणी की थी वह आचार संहिता का उल्लंघन थी। इसको लेकर चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा गया था लेकिन अब तक उस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मुलाकात

जयपुर में बुधवार को विद्याधर नगर के वार्ड नंबर 3 में वार्ड वासियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में में भाग लेती भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी।

वसुंधरा राजे ने धौलपुर में कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बुधवार को धौलपुर, बाड़ी, बसेड़ी एवं राजाखेड़ा क्षेत्र से कार्यकर्ताओं को बुलाकर चुनावी हालातों का जायजा लिया है। जिले की चारों विधानसभा सीट को जिताकर विधानसभा भेजने की बात कही है। भाजपा नेता एवं निजी सचिव अकील अहमद बॉबी ने बताया पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने जिले की चारों विधानसभा सीट पर कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन धौलपुर विधानसभा क्षत्र पर विशेष फोकस किया है।

उन्होंने बताया वर्ष 2017 के उपचुनाव में शोभारानी कुशवाहा को चुनाव में भाजपा पार्टी ने मदद कर भारी वोटों से जिताया था। लेकिन राज्यसभा चुनाव में शोभारानी कुशवाहा ने पार्टी को दगा देकर कांग्रेस का साथ दिया था। उन्होंने कहा कि धौलपुर विधानसभा क्षेत्र से डॉक्टर शिवचरण कुशवाहा को प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी के कार्यकर्ता एक होकर जुट जाए और शोभारानी कुशवाहा को सबक सिखाये।

वसुंधरा राजे ने कार्यकर्ताओं से कहा 25 नवंबर को प्रदेश में चुनाव होना है। गिले शिकवे छोड़कर एक जाजम पर बैठकर पार्टी के लिए काम करना होगा। आने वाले समय में भाजपा पार्टी की सरकार बन रही है।

कांग्रेस सरकार आई तो परिवार की महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपए की सम्मान राशि : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के वापस सत्ता में आने पर एक करोड़ पांच लाख परिवारों को पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा और परिवार की महिला मुखिया को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा,हमारी सरकार आई तो एक करोड़ पांच लाख परिवारों को पांच सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर मिलेगा। परिवार की महिला मुखिया को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 'गृहलक्ष्मी गारंटी' के रूप में परिवार की महिला मुखिया को सम्मान के रूप में किस्तों में 10,000 रुपये प्रति वर्ष मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की मौजूदगी में झुंझुनू के अरड़ावता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। राज्य विधानसभा की 200 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

जन स्वास्थ्य की रक्षा को डबल इंजन सरकार प्रतिबद्ध : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/वार्ता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि डबल इंजन वाली केंद्र व प्रदेश सरकार जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए संवेदनशील और पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए चलाई जा रही योजनाओं को यदि आम जन तक पहुंचा दिया जाए तो कोई व्यक्ति स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में दम नहीं तोड़ेगा।

योगी ने गोरखपुर में स्थित तारामंडल क्षेत्र में निजी अस्पताल का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना जरूरतमंद लोगों की चिकित्सा सहायता में बेहद कारगर साबित हो रही है। योजना में पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी कारण से जो लोग योजना के दायरे में नहीं आ सके हैं उन्हें प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री राहत कोष तथा विधायक निधि से धन उपलब्ध कराया जा रहा है और सभी को बेहतर उपचार की सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गोरखपुर स्वास्थ्य सेवा का नया हब बन चुका है। छह वर्ष पहले यहां का इकलौता बीआरडी मेडिकल कालेज बीमार था आज वहां सुपर स्पेशलिटी शुरू होने के साथ अनेक संभावनाएं बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री गोरखपुर में एम्स का उद्घाटन कर चुके हैं। 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश में मात्र 12 मेडिकल कालेज थे आज सभी 75 जिलों में मेडिकल कालेज बन चुके हैं या बन रहे हैं। तराई, बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए गोरखपुर पर निर्भर हैं इसलिए यहां ऐसे केंद्र की स्थापना करने की जरूरत है जो उनकी जरूरतें पूरी कर सके। इसमें निजी क्षेत्र का भी योगदान हो। इसमें सरकार व निजी क्षेत्र दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के आरपीआई इंस्टीट्यूट की तरह यहां भी आंख का एक बड़ा केंद्र निजी क्षेत्र को विकसित करना चाहिए। जिसे सभी नेत्र रोग विशेषज्ञ मिलकर संचालित करें जिसके पास आंखें नहीं उसके लिए सब व्यर्थ है। पहले 40 वर्ष के बाद महिलाओं की आंखें खराब हो जाती थीं क्योंकि वे चूल्हे पर खाना बनाती थीं। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री ने सभी को गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिया है। स्वास्थ्य के प्रति हम जितने जागरूक होंगेए उतने लंबे समय तक समाज व राष्ट्र की सेवा कर सकेंगे।

जियो हर 10 सेकंड में कर सकता है एक 5जी सेल तैनात

देश में 85% 5जी नेटवर्क स्थापित : आकाश अंबानी

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार प्रमुख कंपनी रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि कंपनी ने भारत में 85 प्रतिशत 5जी नेटवर्क तैनात कर दिया गया है और वह हर 10 सेकंड में एक 5जी सेल तैनात करने की क्षमता रखती है। ब्रॉडबैंड स्पीड व क्वालिटी मापने वाली कंपनी ओकला द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, रिलायंस जियो के चेयरमैन ने कहा कि कंपनी ने दिसंबर 2023 की तय समय सीमा से पहले पूरे देश में 5जी नेटवर्क का विस्तार कर दिया है।

आकाश अंबानी ने कहा, ''मुझे 'ट्रू 5जी रोल-आउट' की हमारी गति पर काफी गर्व है। आज हमने दिसंबर 2023 की अपनी तय समय सीमा से पहले पूरे देश में मजबूत ट्रू 5जी नेटवर्क का विस्तार किया है। भारत में संपूर्ण 5जी तैनाती का 85 प्रतिशत जियो द्वारा किया गया है। हर 10 सेकंड में एक 5जी सेल तैनात किया जा रहा है।'' दूरसंचार विभाग के अनुसार, देश भर में 5जी के लिए 3.38 लाख से अधिक बेस स्टेशन तैनात किए गए हैं। ओकला ने कहा कि जियो भारत में नंबर एक नेटवर्क के रूप में उभरा है।

भाजपा ने निर्वाचन आयोग से प्रियंका गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा पर राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान झूठे दावे करने के लिए 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी धार्मिक आस्था का उल्लेख करने का आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अर्जुन राम मेघवाल तथा पार्टी नेता अनिल बलूनी और ओम पाठक सहित भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस महासचिव के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए निर्वाचन आयोग को एक शिकायत सौंपी। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है कि वाद्रा ने 20 अक्टूबर को दौसा में एक जनसभा में कहा था कि उन्होंने टीवी पर देखा कि जब प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मंदिर में दिए गए दान का एक लिफाफा खोला गया तो उसमें केवल 21 रुपये थे। भाजपा के अनुसार, प्रियंका ने कहा कि उन्होंने खबर देखी है लेकिन उन्हें नहीं पता कि यह दावा सही है या नहीं। इसके बाद उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि भाजपा जनता को 'लिफाफे' दिखाती है लेकिन चुनाव के बाद उनमें कुछ नहीं मिलता। भाजपा ने शिकायत में उनकी टिप्पणी का एक वीडियो भी शामिल किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सड़क दुर्घटना में बालबाल बचे

हल्द्वानी/भाषा। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत उस समय बालबाल बच गए जब हल्द्वानी से काशीपुर जाते समय उनकी कार सड़क के बीच लगे डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार देर रात उधमसिंह नगर जिले के काशीपुर जा रहे थे कि तभी बाजपुर रेलवे क्रासिंग के पास एक वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में चालक कार से नियंत्रण खो बैठा और वह डिवाइडर से टकरा गई । मध्यरात्रि के करीब हुई इस दुर्घटना के समय आगे की सीट पर बैठे रावत घायल हो गए । रावत ने इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि कार के डिवाइडर से टकराते समय उन्हें कुछ झटके लगे थे जिसके लिए उन्होंने अस्पताल जाकर चेक अप करवाया । उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने सब कुछ ठीक बताया है । उन्होंने कहा कि उनके कुछ मित्रों ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया जिससे कुछ लोग चिंतित हो गए होंगे । रावत ने कहा कि चिंता की कोई जरूरत नहीं है तथा वह और उनके सभी सहयोगी ठीक हैं।

सवाल पूछने के बदले रिश्वत के आरोप मामले में भाजपा सांसद दुबे ने महुआ मोइत्रा पर तेज किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा पर अपना हमला तेज कर दिया और उनके खिलाफ ''सवाल पूछने के बदले रिश्वत'' के आरोपों को लेकर कई प्रश्न खड़े किए तथा कहा कि यह संसद की गरिमा और भारत की सुरक्षा का मामला है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में, उन्होंने मोइत्रा से यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि उनका राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मेल दुबई में खोला गया था या नहीं और उनकी विदेश यात्राओं का खर्च किसने वहन किया था। भाजपा सांसद ने मोइत्रा का नाम लिए बिना पोस्ट में कहा, ''सवाल अडाणी, डिग्री या चोरी के बारे में नहीं है, बल्कि देश को गुमराह कर आपके भ्रष्टाचार का है।'' उन्होंने ''डिग्री वाली देश बेचे'' और ''चंद पैसे के लिए जमीर बेचे'' हैशटैग के साथ लिखा कि सवाल संसद की गरिमा, भारत की सुरक्षा और उक्त सांसद के स्वामित्व, भ्रष्टाचार और आपराधिकता का है। दुबे ने कहा, ''जवाब देना है कि दुबई में एनआईसी मेल खोला गया था या नहीं? पैसे के बदले सवाल पूछे गए या नहीं? विदेश यात्राओं का खर्च किसने वहन किया? विदेश जाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष और विदेश मंत्रालय से कभी अनुमति ली गई थी या नहीं?'' केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा था कि एनआईसी मोइत्रा के खिलाफ दुबे द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच में संसद की आचार समिति को ''पूरा सहयोग'' देगा। दुबे ने वैष्णव के पत्र की एक प्रति 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा था कि यह ''धर्म युद्ध'' की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री को मिले स्मृति चिन्हों, उपहारों की ई-नीलामी को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही : लेखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिले स्मृति चिह्नों और उपहारों की ई-नीलामी को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की अंतिम तिथि (31 अक्टूबर) से पहले अधिक से अधिक लोगों को इसमें भाग लेना चाहिए।

उन्होंने बताया कि इससे मिलने वाला धन 'नमामि गंगे' कार्यक्रम (गंगा के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए केंद्र सरकार की प्रमुख पहल) में जाएगा। उन्होंने कहा, ''राम दरबार, हनुमान जी, ये हमेशा से पसंदीदा वस्तुओं में रहे हैं, लेकिन इस बार, यरुशलम से मिला स्मृति चिह्न भी काफी पसंद किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग लें। क्योंकि अब दिन कम रह गए हैं। 31 अक्टूबर इसकी आखिरी तारीख है।'' लेखी ने 23 अक्टूबर को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिले उपहारों और स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी के नवीनतम दौर में राम दरबार की एक प्रतिमा, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर का मॉडल, कामधेनु और यरुशलम से मिला स्मृति चिह्न भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। यह ई-नीलामी दो अक्टूबर को शुरू हुई थी जो कि 31 अक्टूबर तक चलेगी। लेखी ने दो अक्टूबर को कहा था, ''पिछले चार संस्करणों में सात हजार से अधिक वस्तुओं को ई-नीलामी के लिए पेश किया गया था और इस बार 912 वस्तुएं रखी गई हैं।''

पैरालम्पिक चैम्पियन सुमित अंतिल ने अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण जीता

हांगझोउ/भाषा। गत पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में भाला फेंक की एफ64 स्पर्धा में 73 . 29 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। पच्चीस साल के सुमित ने 73.29 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 70 .83 मीटर के अपने ही विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने इस साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बनाया था। एक अन्य भारतीय पुष्पेंद्र सिंह ने इसी स्पर्धा में 60.06 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीलंका के समिता अराचचिगे कोडिथुवाकु (64.09) को रजत पदक मिला। सुमित ने तोक्यो पैरालंपिक की पुरुष भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में 68.55 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता था जो तत्कालिन विश्व रिकॉर्ड था। मौजूदा हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में भारत ने आज 24 पदक जीते जिनमें से 17 और सभी छह स्वर्ण एथलेटिक्स में मिले । भारत 58 पदक जीत चुका है जिसमें 15 स्वर्ण, 20 रजत और 23 कांस्य हैं। अंकुी धामा पैरा एशियाई खेलों के एक ही सत्र में दो स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन गए । उन्होंने पुरुषों की टी11 1500 मीटर रेस में चार मिनट 27.70 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। भारत के सुंदर सिंह गुर्जर ने भी एफ 46 भालाफेंक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए 68.60 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा जीता । इससे पहले विश्व रिकॉर्ड 67.79 मीटर का था जो श्रीलंका के दिनेश एम हेराथ के नाम था ।

यह चुनाव रेवड़ी और रबड़ी के बीच के मुकाबले का है : शीनेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया शीनेत ने बुधवार को कहा कि भाजपा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए कल्याणकारी पहल को 'रेवड़ी' कहती है, लेकिन उद्योगपति अडानी को परोसी गई 'रबड़ी' के बारे में नहीं बोलती है।

शीनेत ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को 'रेवड़ी' और 'रबड़ी' के बीच की लड़ाई करार देते हुए कहा कि यदि भाजपा जनकल्याण के कार्यों को 'रेवड़ी' बांटना कहती है तो कांग्रेस ऐसा करती रहेगी। उन्होंने यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शराबबंदी (2018 के चुनावों में कांग्रेस द्वारा किया गया वादा) को राज्य में कैसे लागू किया जा सकता है, यह विचार-विमर्श और आम सहमति के बाद अगली निर्वाचित सरकार द्वारा तय किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'आज जब छत्तीसगढ़ का चुनाव मुहाने पर है तो कांग्रेस सरकार अपने काम के दम पर और अपने रिपोर्ट कार्ड पर जनता से वोट मांग रही है। हमारी प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से जुमलों की बारिश कर रही है। और नीरज चोपड़ा (भाला फेंक एथलीट) से अधिक लंबा फेंकने में माहिर मोदी जी और उनके परम चेले अमित शाह जी का तो कोई जवाब ही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'जुमले फेंकना कोई नई बात नहीं है, यह हर चुनाव के दौरान शुरू होता है।' शीनेत ने कहा, 'लेकिन वास्तविकता यह है कि यह चुनाव अंततः रेवड़ी और रबड़ी के बीच मुकाबला बन गया है.. जब आदिवासियों, मजदूरों, दलितों, शोषितों, वंचितों और किसानों के लिए कल्याण का कार्य किया जा रहा है, तो भाजपा और प्रधानमंत्री इसे रेवड़ी कहते हैं। लेकिन अडानी जी को थाली में परोसी जाने वाली रबड़ी पर कोई चर्चा नहीं हुई। यदि वे जनकल्याण के कार्यों को रेवड़ी कहते हैं तो हम इसे बांटना जारी रखेंगे।'

उन्होंने इस दौरान भूपेश बघेल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि पांच वर्षों में 40 लाख लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को बेसिक शिक्षा विभाग का नोटिस अवैधः मदरसा बोर्ड

लखनऊ/भाषा। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों में गैर मान्यताप्राप्त मदरसों को नोटिस भेजे जाने पर उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड ने नाराजगी जाहिर करते हुए इसे ''अवैध'' कार्रवाई बताया है।

बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद ने बुधवार को एक बयान जारी कर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मुजफ्फरनगर, अमेठी और कौशांबी समेत कई जिलों में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को नोटिस भेजे जाने और उनके संचालन के आधार के बारे में पूछे जाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि मदरसों के निरीक्षण का अधिकार सिर्फ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को है और बेसिक शिक्षा विभाग की दखलंदाजी से मदरसों में असहजतापूर्ण स्थिति पैदा हो रही है। मुजफ्फरनगर में बेसिक शिक्षा विभाग ने हाल ही में कुछ शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 12 गैर मान्यताप्राप्त मदरसों को नोटिस भेजकर उनसे पूछा है कि आखिर बिना पंजीकरण कराए वे किस आधार पर संस्थान संचालित कर रहे हैं। नोटिस में कहा गया है कि अगर मदरसे जवाब नहीं देते हैं तो उन पर प्रतिदिन 10 हजार रुपये के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा।

सिब्बल का भाजपा पर कटाक्ष

आप राजनीतिक लाभ के लिए कितनी बार भगवान राम का इस्तेमाल करेंगे?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

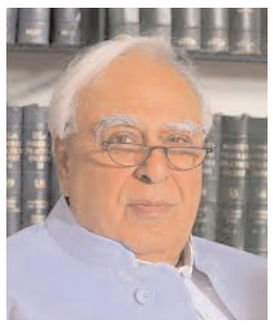

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक लाभ के लिए भगवान राम का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा के शासन में भगवान राम का एक भी गुण दिखाई नहीं देता। सिब्बल की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई है कि अयोध्या में भगवान राम का एक भव्य मंदिर बनाया जा रहा है।

मोदी ने कहा, 'भगवान श्री राम बस आने ही वाले हैं।''

प्रधानमंत्री का यह भी कहना था कि अगली रामनवमी के दौरान मंदिर में प्रार्थना से पूरी दुनिया में खुशियां फैलेंगी।

कपिल सिब्बल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारतीय जनता पार्टी से कहना है कि आप राजनीतिक लाभ के लिए कितनी बार भगवान राम का इस्तेमाल करेंगे? आप भगवान राम के गुणों को क्यों नहीं अपनाते।''

सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक निर्दलीय सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए। उन्होंने एक गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ' बनाया है।

ओडिशा सरकार ने 385 करोड़ रुपये बजट वाली कौशल विकास योजना तैयार की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने युवाओं को नये युग की प्रौद्योगिकियों और उभरते उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए 385 करोड़ रुपये के बजट के साथ चालू वित्त वर्ष से तीन वर्षों के लिए एक योजना तैयार की है। कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि 'नूतन उन्नत अभिलाषा' (एनयूए) कार्यक्रम राज्य के सभी 30 जिलों में प्रभावी होगा और आदिवासी व दूरदराज के क्षेत्रों को प्राथमिकता देगा। इसे रोजगार, तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय और विश्व कौशल केंद्र द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि यह योजना प्रशिक्षण देने के लिए मौजूदा और नये कौशल संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी को मजबूती देगी। कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव उषा पाधी ने अधिसूचना में कहा कि कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण, उद्योग से जुड़ाव को बढ़ावा देने व रोजगार योग्य कौशल को बढ़ाकर उभरते उद्योगों में कुशल मानव संसाधन की कमी को दूर करने की दिशा में काम करेगा।

विश्व कप के कुछ और मुकाबलों से बाहर हो सकते हैं हार्दिक पंड्या, एनसीए में चोट से उबर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भारत के अगले दो विश्व कप मुकाबलों से भी बाहर रह सकते हैं क्योंकि वह टखने की चोट से उबर नहीं पाए हैं जिसके कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। पुणे में 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते हुए पंड्या के टखने में चोट लगी थी और वह 22 अक्टूबर को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेल पाए थे। बड़ौदा का यह खिलाड़ी चोट से उबरने के लिए सोमवार को राट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) चला गया था।

एनसीए के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''हार्दिक का उपचार चल रहा है। उसके बाएं टखने की सूजन काफी कम हुई है लेकिन वह सप्ताहांत ही गेंदबाजी की शुरुआत करेगा। इस समय उन्हें उबरने का समय देना महत्वपूर्ण है। ''

भारत अब तक अपने पांचों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए काफी मजबूत स्थिति में है इसलिए पंड्या को अगले दो मैच के लिए आराम दिया जा सकता है जिससे उन्हें नॉकआउट से पहले पूरी तरह से उबरने का मौका मिलेगा।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, ''पंड्या को गंभीर मोच आई है लेकिन सौभाग्य से फ्रेक्चर नहीं हुआ है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम अधिकतम एहतियात बरतना चाहती है। उनके अगले दो से तीन मैच से बाहर रहने की संभावना है। टीम चाहती है कि वह नॉकआउट चरण के लिए पूरी तरह फिट हों।''

पंड्या का गुरुवार को फिटनेस परीक्षण हो सकता है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम इसी के आधार पर उनकी वापसी की तारीख तय करेगी। इस दौरान उनकी गेंदबाजी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और देखा जाएगा कि पूरा जोर लगाकर गेंदबाजी करते हुए बाएं पैर के टखने को लेकर वह असहज तो नहीं हैं।

'मेरा लक्ष्य हमेशा बेहतर होना, उत्कृष्टता के पीछे भागना नहीं'

चेन्नई/भाषा। मौजूदा विश्व कप में अच्छी फॉर्म में चल रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का कहना है कि उनका लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है, उत्कृष्टता के पीछे भागना नहीं। कोहली अभी टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पांच मैच में 118.00 की औसत से 354 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''मैंने हमेशा इस पर काम किया है कि मैं हर दिन, हर अभ्यास सत्र, हर साल और हर सत्र में खुद को कैसे बेहतर बना सकता हूं। इसी ने मुझे इतने लंबे समय तक खेलने और प्रदर्शन करने में मदद की है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इस मानसिकता के बिना लगातार अच्छा प्रदर्शन करना संभव है क्योंकि अगर प्रदर्शन ही आपका लक्ष्य है तो कोई भी कुछ समय बाद संतुष्ट हो सकता है और अपने खेल पर काम करना बंद कर सकता है।''

इंग्लैंड को ईंट का जवाब पत्थर से देना होगा : एंजेलो मैथ्यूज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलुरू/भाषा। अनुभवी हरफनमौला एंजेलो मैथ्यूज ने मंगलवार को कहा कि श्रीलंका टीम को इंग्लैड के आक्रामक प्रदर्शन के लिये तैयार रहते हुए ईंट का जवाब पत्थर से देना होगा । श्रीलंका और गत चैम्पियन इंग्लैंड बृहस्पतिवार को विश्पव कप के मैच में आमने सामने होगे और दोनों टीमों के लिये यह करो या मरो का मुकाबला होगा ।

मैथ्यूज ने कहा ,'' हमें इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को हराने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा । अपनी क्षमता के अनुरूप अभी तक नहीं खेल पाने के बावजूद वह बहुत खतरनाक टीम है । '' उन्होंने कहा ,'' यह अच्छा विकेट है और आउटफील्ड छोटी है । हमें ईंट का जवाब पत्थर से देने के लिये तैयार रहना होगा क्योकि वे आक्रामक खेल दिखायेंगे लेकिन हम इस चुनौती के लिये तैयार हैं ।'' मैथ्यूज को पहले श्रीलंका की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था लेकिन वह रिजर्व के तौर पर आये । इसके बाद मतीषा पथिराना की चोट के कारण उन्हें टीम में लिया गया । उन्होंने कहा ,'' मैने पिछले तीन साल में सफेद गेंद का क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला है लेकिन उम्मीद है कि अपने अनुभव के दम पर इस विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर सकूंगा । मुझे टीम में शामिल होने की उम्मीद नहीं थी लेकिन मैं कड़ा अभ्यास कर रहा था ।''

सुविचार

बिना किताबों की जो पढ़ाई सीखी जाती है, उसे जिंदगी कहते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अहिंसक प्रतिरोध

इज़राइल-हमास भिड़ंत के बीच सऊदी राजकुमार तुर्की अल फैसल द्वारा अहिंसक प्रतिरोध का आह्वान किया जाना उल्लेखनीय है। एक ओर जहां ईरान के नेता और उसके अख़बार 'आग में तेल' डालने का काम कर रहे हैं, वहीं तुर्की अल फैसल की टिप्पणियों ने सबका ध्यान आकर्षित किया है, जो इस मुद्दे पर सऊदी अरब के नेतृत्व की सोच के बारे में जानकारी देते हैं। उन्होंने हमास और इज़राइल, दोनों की आलोचना करते हुए कहा कि इस संघर्ष में कोई नायक नहीं है, केवल पीड़ित हैं। राजकुमार ने विशेष रूप से हमास के कृत्यों की निंदा करते हुए उचित ही कहा कि ऐसा करना मज़हबी सिद्धांतों के खिलाफ है, जिनमें नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की मनाही की गई है। उन्होंने इज़राइल पर गाजा में निर्दोष नागरिकों पर अंधाधुंध बमबारी करने का भी आरोप लगाया है। राजकुमार तुर्की अल फैसल द्वारा इस आधार पर हमास की आलोचना न्यायोचित है कि उसने इज़राइली सरकार को कार्रवाई का बहाना और उच्च नैतिक आधार का दावा करने की अनुमति दे दी। अगर हमास रक्तपात का मार्ग अपनाने की जगह अहिंसक तरीकों पर चलते हुए यह मुद्दा उठाता तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी न केवल आवाज सुनी जाती, बल्कि उसे कई देशों से नैतिक समर्थन भी मिलता। उसने सात अक्टूबर को जिस पैमाने पर हिंसा की, जिसमें इज़राइल के सैकड़ों नागरिकों की जानें चली गईं, उसके बाद उसकी चौतरफा निंदा हो रही है। यह स्वाभाविक है। उसे ऐसे कदम से बचना चाहिए था। पहले इस मुद्दे को मानवाधिकारों के दृष्टिकोण से देखा जाता था। अब इसमें हिंसा और आतंकवाद का तत्त्व शामिल हो गया है, जिसे पश्चिमी देशों से समर्थन मिलने की बहुत कम संभावना है। वे देश इज़राइल के पाले में खड़े हो गए हैं, जो इस संकल्प के साथ हुंकार भर रहा है कि हमास को तबाह कर देंगे।

इज़राइल के विदेश मंत्री एली कोहेन द्वारा यह बयान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक उच्च स्तरीय बैठक का उपयोग किया जाना बताता है कि गाज़ा पट्टी के लिए आने वाले दिन बहुत मुश्किल होने वाले हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख, फलस्तीनियों तथा कई देशों के संघर्ष-विराम के आह्वान को स्पष्ट रूप से नकार दिया और गाजा की लड़ाई को 'स्वतंत्र दुनिया का युद्ध' करार दिया। आमतौर पर वहां किसी देश के विदेश मंत्री इतने कठोर शब्दों का प्रयोग नहीं करते, लेकिन सात अक्टूबर को जो कुछ हुआ, उसके मद्देनज़र कोहेन ने जवाबी कार्रवाई में 'संयम बरतने' की अपील को खारिज कर दिया, जिस पर किसी को हैरत नहीं होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र की उस बैठक में कोहेन के इन सवालों का जवाब शायद ही किसी के पास होगा- 'आप बताइए कि शिशुओं की हत्या, महिलाओं से बलात्कार और उन्हें जला देने, एक बच्चे का सिर काटने के जवाब में संयम भरी कार्रवाई कैसे की जाती है? ... आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संघर्ष-विराम के लिए कैसे सहमत हो सकते हैं, जिसने आपके अस्तित्व को मिटाने और नष्ट करने का संकल्प जताया हो?' कोहेन का यह बयान भी एक चेतावनी प्रतीत होता है कि 'आज इजराइल पर हमला हुआ है, कल हमास और उसके हमलावर पश्चिमी देशों से लेकर दुनिया के हर क्षेत्र को निशाना बनाएंगे!' चूंकि पश्चिमी देशों, खासतौर से यूरोपीय देशों में पिछले एक दशक में हालात बिगड़े हैं। इन्होंने बहुसांस्कृतिक समाज बनाने और अति-उदार दिखने की कोशिश में दुनियाभर से वैध / अवैध शरणार्थी तो ले लिए, लेकिन उन्हें अपने समाज में समायोजित करने के बारे में नहीं सोचा। इसका परिणाम सब देख रहे हैं। यूरोप में आए दिन टकराव हो रहा है, हिंसा भड़क रही है। विभिन्न रिपोर्टें बताती हैं कि अगर उसने समय रहते कुछ जरूरी कदम नहीं उठाए तो हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। निश्चित रूप से यह बिंदु उन देशों के प्रतिनिधियों के मन में रहा होगा। इज़राइल के 'आत्मविश्वास' का एक कारण यह भी है।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर के बयाना से एक बहुत ही हृदयविदारक घटना सामने आयी है। एक ट्रैक्टर निरपत नाम के युवक के ऊपर चढ़ जाता है और उस युवक की हत्या कर दी जाती है। क्या श्रीमती प्रियंका गांधी पीड़ितों से मिलकर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के लिए कदम उठाएंगी।

-संबित पात्रा

धार्मिक भावनाओं की आड़ में प्रियंका गांधी लगातार आचार संहिता का उल्लंघन कर रही हैं; जो आईपीएस के तहत एक कानूनी अपराध है। हमने मुख्य चुनाव आयुक्त के समक्ष अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है, उनके दुष्प्रचार फैलाने व आचार संहिता के उल्लंघन करने पर कार्रवाई करने की मांग की है।

अर्जुनराम मेघवाल

प्रदेश में अपराध और अपराधी दोनों ही बेलगाम हो चुके हैं। भरतपुर के बयाना क्षेत्र में ट्रैक्टर से कुचलकर बेरहमी से युवक की हत्या करने की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी आज राजस्थान में आ रही हैं।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

मुक्ति की युक्ति

गंगा पार करवाने से पहले जब केवट श्रीराम के चरण धो चुका था तो प्रभु कहते हैं, 'भाई! अब तो गंगा पार करा दे।' इस पर केवट कहता है, 'प्रभु! नियम तो आपको पता ही है कि जो पहले आता है उसे पहले पार उतारा जाता है। इसलिए आप अभी थोड़ा और रुकिये।' श्रीराम कहते हैं, 'भाई! यहां तो मेरे सिवा और कोई दिखाई नहीं देता। इस घाट पर तो केवल मैं ही हूं। फिर पहले किसे पार लगाना है?' केवट बोला, 'प्रभु! अभी मेरे पूर्वज बैठे हुए हैं, जिनको पार लगाना है।' केवट झट गंगा जी में उतरकर, प्रभु के चरणामृत से अपने पूर्वजों का तर्पण करता है। फिर केवट ने अपना, अपने परिवार, और सारे कुल का उद्धार करवाया। फिर श्रीराम को नाव में बैठाता है, दूसरे किनारे तक ले जाने से पहले, फिर घुमाकर वापस ले आता है। जब बार-बार केवट ऐसा करता है तो प्रभु पूछते हैं, 'भाई! बार-बार चक्कर क्यों लगवा रहे हो? मुझे चक्कर आने लगे हैं।' केवट कहता है, 'प्रभु! यही तो मैं भी कह रहा हूं। चौरासी लाख योनियों के चक्कर लगाते-लगाते मेरी बुद्धि भी चक्कर खाने लगी है, अब और चक्कर मत लगवाइये।' भक्त के चातुर्य को देख कर, प्रभु राम भी मुस्करा देते हैं।

सामयिक

गरिमा खोते गुरुजन

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल -7379100261

इन दिनों मीडिया में एक निजी स्कूल का 'थप्पड़' प्रकरण सुर्खियों में था। समाचारों के अनुसार, विद्यालय की निचली कक्षा के एक छात्र को पहाड़ा नहीं याद था। बच्चे की इतनी सी गलती शिक्षिका को बेहद नागवार गुजरी। इसके लिए उसने छात्र को शारीरिक दंड देने का पुरातन और अमानवीय तरीका अपनाया। जिसके तहत शिक्षिका ने कक्षा के सभी बच्चों से से उसे थप्पड़ लगवाए। कुछ अधिक संवेदनशील सहपाठी रहे होंगे, जो नाममात्र का थप्पड़ लगा रहे थे। शिक्षिका ने इनसे दोबारा जोर से मारने को कहा। पीड़ित बालक रोने लगा, फिर भी कक्षा के बाकी बच्चों को आदेश पूरा करना पड़ा। इस पूरे घटना क्रम के बीच पीड़ित छात्र का चाचा नदीम बाहर खड़ा वीडियो बनाता रहा। उसने अध्यापिका को रोकने या समझाने की एक बार भी कोशिश नहीं की।

इस घटना को लेकर जो त्वरित प्रतिक्रिया बनती है, वह यह कि शिक्षिका का कृत्य अत्यंत घृणित और निंदनीय है। ऐसा किसी भी हालत में नहीं किया जाना चाहिए था, यह घोर अमानवीय और आत्मा को चोट पहुंचाने वाला पशुवत व्यवहार है। सोचने की बात है, जिस बच्चे को सहपाठी थप्पड़ मार रहे होंगे, उसके कोमल मन मस्तिष्क पर कितना गहरा आघात लग रहा होगा। उस क्षण वह अपनों के बीच भी खुद को कितना अकेला और असहाय पाया होगा ? आज के दौर में अगर कोई बच्चा पाठ नहीं याद कर सका है, तो शिक्षक को उसे दंडित करने का अधिकार नहीं है।

इस संदर्भ में बच्चों की 'मुफ़्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009' के खण्ड 17(1) के अनुसार, बच्चे को शारीरिक रूप से दंडित या मानसिक रूप से उत्पीड़ित नहीं किया जा सकता है। अधिनियम के खण्ड 17(2) में स्पष्ट उल्लेख है कि जो कोई उपखंड 1 के प्रावधानों का उल्लंघन करेगा, वह सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी होगा। इस सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय का भी निर्देश है कि किसी भी स्थिति में बच्चे की पिटाई गैर कानूनी है। यहाँ तक कि उसके साथ डांट-फटकार भी नहीं की जा सकती।

दुखद पहलू यह है कि बहुत से शिक्षक अब भी पढ़ाई-लिखाई में दंड की अवधारणा पर दृढ़ हैं। सन 2000 (डीपीईपी. परियोजना) से अब तक सौ से अधिक प्रशिक्षणों में यह बताया जाता रहा है कि सीखने-समझने में सहायक जितने भी बाह्य और आंतरिक कारक हैं, वह भय या प्रताड़ना से शक्तीकृत नहीं होते। बल्कि मार-कुटाई और अवमानना से वह कुंद होकर सीखने की प्रक्रिया में अवरोधक बन सकते हैं। मगर कुछ अध्यापक जिस जड़ता और दृढ़ता से दंड की सार्थकता की वकालत करते हैं, उससे लगता है कि उनमें मानवीय सम्वेदना के तत्व ही नहीं बचे हैं। इसलिए यह शिक्षा के मन्दिर के पुजारी हो पाने की अर्हता नहीं पूरी करते हैं। निश्चय ही ऐसे अध्यापकों के रहते शिक्षा संस्थानों में बेहतर पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ मानवीयता के मूल्य के सृजन की यात्रा दिवास्वप्न जैसी है।

पहले विद्यालयों में इस प्रकार के क्रूर और आत्मा पर चोट पहुँचाने वाले दण्ड दिए जाते थे। पछपन-साठ साल पहले हमारी पीढ़ी जब प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ती थी, तब सजा के तौर पर बच्चे मुर्गे बनाए जाते थे। मुर्गे बने बच्चों की पीठ पर एक या दो ईंटें भी रख दी जाती थीं। दो दंडित किए गए बच्चों से एक-दूसरे का कान पकड़कर उठक-बैठक लगवाने का भी प्रचलन था। कुछ बच्चे प्रश्नों के उत्तर नहीं दे पाते थे, तो अध्यापन उनको सफल सहपाठियों से थप्पड़ भी लगवा देते थे। आमतौर पर अध्यापक छात्र की हथेली पर छड़ी मार के सजा देते थे। गलती पर अलग-अलग उठक-बैठक लगवाते थे। यह दोनों सजायें इज्जतवाली थीं। किन्तु अन्य तीनों सजाओं में धोर अपमान की उपस्थिति हुआ करती थी।

हालांकि सजा का प्रावधान उन दिनों भी बौद्धिक विमर्श के अंतर्गत ठीक नहीं माना जाता था। भारतीय शिक्षाशास्त्री एवं राजनेता डॉ. जाकिर हुसैन ने एक किताब लिखी है-'तालीमी खुदवात' ! इसमें उन्होंने स्वीटजरलैंड के एक विद्वान विलेहॉकस की पुस्तक द डार्क प्लेसेज ऑफ एजुकेशन' का जिक्र किया है, जिसके अंतर्गत 78 प्रसिद्ध व्यक्तियों के निजी अनुभवों का संग्रह है कि उन पर बचपन में उनकी पाठशालाओं में क्या बीती थी ? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. जाकिर हुसैन ने अपनी किताब में लिखा है, उस पुस्तक को पढ़कर ख्याल होता है कि मदरसा (पाठशाला) किसी जालिम की ईज़ाद (आविष्कार) है। इसके बावजूद भी उन दिनों स्कूलों में सजाएं दी जाती थीं। उन दिनों शिक्षकों के जो प्रशिक्षण थे, उसमें रूसो के शैक्षिक दर्शन का दबदबा हुआ करता था। इसके अंतर्गत बच्चे की असभ्य या अपमार्जित प्रवृत्तियों को सुधारने के लिए कठोर व्यवहार की आपेक्षा की जाती थी।

वर्तमान में शिक्षा सोच और व्यवहार में बहुत आगे निकल चुकी है। आज अगर कोई बच्चा न्यूनतम अधिकतम स्तर से पीछे रह जाता है, तो सबसे पहले शिक्षक की नाकामी को लेकर सवाल हो सकते हैं। एक सिद्धांत है-'कवर द कोर्स बट डोन्ट अनकवर योर स्टूडेंट्स'। इसलिए पहले बच्चे को पढ़ने की बात की जाने लगी है, पढ़ाना बाद का मामला हो गया है। हर बच्चे की अपनी लर्निंग स्टाइल होती है। प्रत्येक बच्चा रट्टा मारकर पहाड़ा नहीं याद कर पाता। उसे गतिविधियों से अवधारणा स्पष्ट करानी पड़ती है, तब वह पहाड़ा बोलना शुरू कर देता है। योग्य शिक्षक जानते हैं, जोर-जबरदस्ती के बजाए छात्र को कुछ समय उसकी भावनाओं और बौद्धिक क्षमता के अनुरूप सीखने के लिए छोड़ देना चाहिए। यह मानना कि उसकी प्रगति धीमी है, वह पिछड़ जाएगा। इसलिए बार-बार उसे कोंचना निरर्थक है। यह उसकी आंतरिक शक्ति को कुन्द ही करती। वह स्वतः गतिशील होने पर अपनी क्षमता के अनुरूप श्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा।

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ उत्पादक नागरिक तैयार करना नहीं है। वह खुश रहने वाले इंसान भी तैयार करे, महत्वपूर्ण यह है। पिटाई वाली छड़ी लेकर घूमने वाले मास्टर साहब के बस का यह काम नहीं है। जो बच्चे छड़ी का तनाव झेलते पढ़ेंगे , उनका खुशहाल नागरिक बनना कैसे संभव हो सकेगा? यह तभी हो पाएगा, जब छात्र अपने साथियों और शिक्षकों के बीच मैत्रीपूर्ण माहौल में सीखने की प्रक्रिया में होगा। एक तीखा सवाल है, अपने ही सहपाठी के हाथों थप्पड़ खाने वाला छात्र क्या आगे चलकर आत्मविश्वास से भरा-पुरा, गर्वोन्नत नागरिक बनने की प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकेगा ? यह तो खुशियों की पाठशाला में ही संभव है। एक ऐसी पाठशाला, जिसमें बच्चा स्वयं सीखने का प्रयास करे। अध्यापक उसकी राह में आने वाली कठिनाइयों को अपने निर्देशन से उससे ही दूर कराएं। इस मुकाम पर जो गुरुजी होंगे, वह हँसते-मुस्कराते दोस्तनुमा सुगमकर्ता होंगे, गुस्सैल और बददिमाग मास्टरों का जमाना अब गया।

एक तरफ कल्पनाशील नवाचारी शिक्षक हैं, जो पढ़ाई-लिखाई को निरन्तर सुरुचिपूर्ण बनाकर बच्चों के सीखने को सरल बना रहे हैं। उनको दिशा, गति और प्रोत्साहन प्रदान करने में लगे हैं। उनके प्रयास शिक्षा को काल सापेक्ष और आधुनिक संदर्भों में प्रतिष्ठित करने में अग्रसर हैं, शिक्षा प्रणाली में स्वअध्ययन पर बल दे रहे हैं। शिक्षा को साहित्य और सृजन से जोड़कर अध्यायनशीलता के छूटे हुए सरोकार को पुनर्स्थापित करने में संलग्न हैं। शिक्षा के इस चमकदार पक्ष के बरक्स दूसरा पहलू ...सहपाठी से थप्पड़ मरवाने की बर्बरता ! मूलतः यह हमारी वर्तमान शिक्षा के परिदृश्य के अंतर्विरोध और संकट हैं। यथा संभव शीघ्र इनसे निपटना शिक्षा व्यवस्था की प्राथमिकता होनी चाहिए। अन्यथा व्यवस्था का यह विरोधाभाष भीषण सामाजिक त्रासदी को जन्म दे सकती है।

ज्ञान विज्ञान

चंद्रमा पर क्यों नहीं बनती है बर्फ?

चंद्रमा पर पानी बर्फ तो है, लेकिन वह वहां पर निर्मित नहीं हुई है, बल्कि कहीं से आई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा पानी प्रचुर मात्रा में भी हो सकता है, लेकिन वहां पर तापामान -130 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है फिर भी हैरानी की बात है कि यहां जमा देने वाली ठंड होने पर भी बर्फ नहीं बन पाती है।

चंद्रमा पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है। इसकी पृथ्वी की तुलना में खास तरह की दूरी और संबंध अन्य ग्रहों और उनके उपग्रहों की तुलना में बहुत ही अनोखा बना देते हैं। सामान्य तौर पर देखा जाए तो चंद्रमा में ऐसे हालात नहीं है जिससे यहां बर्फ की उपस्थिति हो या यहां बर्फ है। फिर भी कुछ स्थितियां ऐसी भी हैं जो कहती हैं कि यहां बर्फ हो सकती है। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर चंद्रमा पर बर्फ क्यों नहीं बन पाती है। पृथ्वी पर बर्फ होने का सबसे बड़ा कारण है यहां पानी की मौजूदगी और उसका यहां पर स्थिर रह पाना। चंद्रमा पर पहले तो पानी किसी भी रूप में नहीं पाया जाता है। इस पर लंबे समय से शोध बताते हैं कि ऐसा नहीं कि चंद्रमा पर पानी बिलुकल ही नहीं है। बल्कि 2008 में तो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की उपस्थिति के मजबूत संकेत पाए गए हैं। फिर भी चंद्रमा की सामान्य स्थितियों में पानी नहीं है। चंद्रमा पर बर्फ वहां के ध्रुवीय इलाकों में ऐसी जगह पर बर्फ है जहां पर सूर्य की रोशनी कभी नहीं पहुंचती है। ऐसा खास तौर से ध्रुवों पर स्थित क्रेटर में हो सकता है। क्योंकि अगर चंद्रमा पर बर्फ किसी तरह से पहुंच भी जाए तो दिन की भीषण गर्मी के कारण यहां बर्फ कायम नहीं रह सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा पर करोड़ों साल पहले उल्कापिंडों या क्षुद्रग्रहों की बारिश के जरिए बर्फ के रूप में पानी आया होगा और उसमें से काफी मात्रा यहां किसी ना किसी तरह से जमा होगी। लेकिन इसकी संभावना नहीं के बराबर ही है कि चंद्रमा पर बर्फ बनी होगी। क्योंकि यहां के हालात पानी के निर्माण के अनुकूल नहीं हैं।

चंद्रमा पर बर्फ बनने के लिए जरूरी है कि वहां हाइड्रोजन और ऑक्सीजन हों और उनके मिलने की स्थितियां और पानी या बर्फ के टिके रहने के हालात हों। वैसे तो चंद्रमा के वायुमंडल में बहुत ही कम मात्रा में पानी के अणु मिलते हैं। लेकिन दिक्कत यह है कि पानी वायुमंडल की अनुपस्थिति के कारण टिक नहीं पाता है। लेकिन उससे भी पहले हाइड्रोजन और ऑक्सीजन मिल नहीं पाते हैं क्योंकि ऑक्सजीन यहां के वायुमंडल में टिक नहीं सकती है उड़ जाती है जबकि यहां के वायुमंडल में हाइड्रोजन मौजूद रह पाता है।

अगर किसी तरह से पानी बर्फ या भाप बन भी जाए तो सबसे बड़ी समस्या यह है कि चंद्रमा पर अधिकताम तापमान कम से कम 250 डिग्री सेल्सियस का होता है। इस तापमान में बर्फ ना केवल भाप बन कर उड़ जाएगी, बल्कि टूट कर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में बदल जाएगी। और जैसे ही ऑक्सीजन बनी वह वायुमंडल से बाहर चली जाएगी। यही वजह है कि चंद्रमा की सतह पर बर्फ टिक नहीं सकती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि चंद्रमा पर यहां हाइड्रोजन तो प्रचुर मात्रा में है ही ऑक्सीजन भी कई प्रारूप में मौजूद है। लेकिन दिक्कत यही है कि स्वतंत्र ऑक्सीजन गैस जब किसी तरह से बन भी जाए तो वह वायुमंडल में टिक नहीं सकती है। वैज्ञानिकों को चंद्रमा पर मौजूद सिलिका से नियंत्रित हालात में ऑक्सीजन बनाकर सहेजने की चुनौती होगी।

मुद्दा

कितने शरीफ हैं नवाज शरीफ?

आर.के. सिन्हा

पिछले करीब चार सालों से लंदन में अपना निर्वासित जीवन बिता रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम लीग-एन नेता नवाज शरीफ पाकिस्तान लौट आए हैं। वे फिर से अपने देश का प्रधानमंत्री बनने के ख्वाब लेकर ही स्वदेश लौटे हैं। पाकिस्तान में संसद के लिए नाम-निहाद चुनाव आगामी जनवरी में होने हैं। नाम निहाद इसलिए क्योंकि वहां पर चुनाव कोई भी पार्टी जीते या कोई भी प्रधानमंत्री बने, देश की शक्तियों पर असली कब्जा तो रावलपिंडी में सेना के मुख्यालय में बैठे मोटी तोंद वाले जनरलों के पास ही रहता है।

नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि देश में हालात 2017 की तुलना में कहीं अधिक बिगड़ गए हैं। यह बात तो सही है कि पाकिस्तान में हालात बेहद खराब हो चुके हैं। मंहगाई, कठमुल्लापन और बेरोजगारी ने देश को तबाह कर दिया है। वहां पर लगातार बम धमाके हो रहे हैं। नवाज शरीफ स्वयं भी एक सड़कछाप किस्म के इंसान हैं। भाग्य की खाते रहे हैं। वे युगदृष्टा तो छोड़िए, प्रखर वक्ता तक नहीं हैं। उनसे बेहतर वक्ता तो बेनजीर भुटटो और इमरान खान थे।

अगर नवाज शरीफ आगामी चुनाव के बाद प्रधनामंत्री बन भी गए तो देश की किस्मत बदलने वाली नहीं है। पाकिस्तान आज दाने-दाने को मोहताज है। नवाज शरीफ के पुरखे मूलत: कश्मीरी पंडित थे। कोई 125 साल पहले मुसलमान बन गए थे। वे कश्मीर से अमृतसर के पास जट्टी उमरा गांव में जाकर बसे थे। पाकिस्तान के बाकी नेताओं की तरह शरीफ भी घोर भारत विरोधी हैं। बस, उनके नाम के साथ शरीफ आना संयोग मात्र ही माना जाएगा। नवाज शरीफ ने तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद संभाला है। उन्हीं के कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध (3 मई-26 जुलाई 1999) लड़ा गया था। इस जंग के दौरान एक बार ऐसा भी हुआ जब तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी ने फोन कर नवाज शरीफ की जमकर क्लास लगाई थी। उन्हें 2016 में उड़ी हमलों के बाद कायदे से अपने देश में चल रहे आंतकी शिविरों को ध्वस्त करना चाहिए था। पर बेशर्मी की हद देखिए, कि वे भारत को ही कोसते रहे। नवाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र में उड़ी की घटना के लिए कश्मीर में बुरहान की मौत के बाद पैदा हुए हालातों को जिम्मेदार घोषित कर दिया। उड़ी हमला 18 सितम्बर 2016 को जम्मू और कश्मीर के उड़ी सेक्टर में एलओसी के पास स्थित भारतीय सेना के स्थानीय मुख्यालय पर हुआ था जिसमें 16 जवान शहीद हो गए थे। यह भारतीय सेना पर किया गया, लगभग 20 सालों में सबसे बड़ा हमला था। उड़ी हमले में सीमा पार बैठे आतंकियों का हाथ था। इनकी योजना के तहत ही सेना के कैंप पर फिदायीन हमला किया गया था। हमलावरों के द्वारा निहत्थे और सोते हुए जवानों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की ताकि ज्यादा से ज्यादा जवानों को मारा जा सके।

नवाज शरीफ के कुछ मंत्री भी भारत के खिलाफ युद्धोन्माद का माहौल बनाते रहते थे। क्या जिस देश के लाहौर और कराची जैसे शहरों में रोज दस-दस घंटे बिजली न आती हो, जहाँ बेरोजगारी लगातार संक्रामक बीमारी की तरह फैल रही हो और जिधर विदेशी निवेश नाम मात्र के लिये आता हो, वह देश भारत जैसी विश्व शक्ति से लड़ने के लिए कैसे तैयार हो सकता है? नवाज शरीफ सन 2013 में पाकिस्तान के वजीरे आजम की कुर्सी पर फिर से बैठे थे। बावजूद इसके कि नवाज शरीफ और उनके अनुज शाहबाज शरीफ, जो आगे चलकर देश के प्रधानमंत्री बने, पर करप्शन के अनेकों केस थे। शरीफ परिवार के लिए कहा जाता है कि इनके लिए पाकिस्तान ही इनका खानदान है। इनका बड़ा औद्योगिक घराना भी है। ये जनता को झूठे सब्जबाग दिखा कर ही चुनाव जीतते रहे हैं।

पाकिस्तान लौटने पर लाहौर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है। पर वहां की अर्थव्यवस्था तो तब भी खराब थी जब नवाज शरीफ देश छोड़कर चले गए थे। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कौन से सघन प्रयास किए? जब नवाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री थे तब वे बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में भी बार-बार हस्तक्षेप करते थे। बांग्लादेश में सन 1970 के बाद ईस्ट पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेनाओं का साथ देने वालों को लगातार दंड दिया जाता रहा है। इन गुनाहगारों ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर अपने ही देश के लाखों मासूमों का कत्ल कर दिया था। जब उन गुनाहगारों को फांसी पर लटकाया जाता है, तो शरीफ को बहुत तकलीफ होती है। यानी जिनके हाथ खून से रंगे हैं, उन्हें नवाज शरीफ सरकार समर्थन दे रही थी। नवाज शरीफ अपने देश के अवाम का मूल मसलों से ध्यान हटाने के लिए ही भारत को किसी न किसी रूप में दोषी ठहराते रहते थे। वे पाकिस्तान में होने वाले बम धमाकों के लिए भारत की खुफिया एजेंसी रॉ को दोष देते रहते थे बिना किसी ठोस सुबूतों के। नवाज शरीफ तो वास्तव में निहायत एहसान फरामोश शख्स हैं। उनके पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने पर उनके भारत स्थित गांव के लोग खुशी से मिठाइयां बांट रहे थे ख उनके अब्बा की तो इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उन्हें उसी मिट्टी में दफन किया जाए जिससे उनके परिवार का सदियों पुराना नाता है। पर अफसोस कि उन्हीं का पुत्र अपने पुरखों की देश को क्षति पहुंचाना चाहते थे। यकीन मानिए कि नवाज शरीफ न अपने देश के और न ही भारत के सगे हैं। पर पता नहीं क्यों हमारे यहां ही कुछ ज्ञानी लोग शरीफ को बहुत शरीफ बताते हैं। ऐसे शरीफ का चोला ओढ़े हुये लोगों से सावधान रहना होगा। (लेखक पूर्व सांसद हैं।)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विसर्जन

बुधवार को पटना में दुर्गा पूजा उत्सव के समापन के बाद भक्तों ने गंगा नदी के तट पर एक अस्थायी तालाब में देवी दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन करते हुए।

सभ्य और समर्थ समाज के लिए शिक्षा को संस्कार युक्त बनाना जरूरी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सभ्य और समर्थ समाज के निर्माण के लिए शिक्षा को संस्कार युक्त बनाने की जरूरत को रेखांकित करते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षकों को चाणक्य, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र को अपना आदर्श बनाना चाहिए।

योगी ने गोरखपुर मंडल के 1,086 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और 64 ब्लॉक संसाधन केंद्रों में आईसीटी प्रयोगशाला के लोकार्पण तथा 14,360 शिक्षकों को टैबलेट एवं 1,207 दिव्यांग बच्चों को 1,980 सहायक उपकरणों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'सभ्य समाज के बिना कोई भी राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता। इसके लिए वहां की शिक्षा को संस्कार युक्त बनाना पड़ेगा। व्यक्ति के अंदर आत्मानुशासन की भावना पैदा होनी चाहिए। उसके अंदर समाज और राष्ट्र से जुड़े मुद्दों को अपना मुद्दा समझने का भाव पैदा होना चाहिए। इन सभी भावनाओं का अगर समावेश कराया जा सकता है, तो उसका माध्यम शिक्षा ही है।'

शिक्षकों से मुखातिब योगी ने कहा, 'जैसी शिक्षा होगी, वैसा चरित्र होगा। चरित्र के अनुरूप समाज की दिशा तय होगी और राष्ट्र भी उसी दिशा में जाएगा। समर्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का पूरा का पूरा दारोमदार आपके परिश्रम पर टिका है। आप चाहें तो देश को नई बुलंदियों पर पहुंचा सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'एक शिक्षक का आदर्श अगर कोई होना चाहिए, तो वह चाणक्य, गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र, ऋषि संदीपन और भारद्वाज होने चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'गुरु वशिष्ट और विश्वामित्र नहीं होते, तो क्या राम हो पाते? अगर चाणक्य नहीं होते, तो क्या चंद्रगुप्त मौर्य होते? गुरु संदीपन नहीं होते, तो क्या कृष्ण हमें मिल पाते? भारत में ऐसे ढेर सारे उदाहरण हैं।' उन्होंने कहा, 'अच्छे गुरुओं के मार्गदर्शन में एक बच्चे को समर्थ और सभ्य नागरिक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए देखा जा सकता है। अपने कार्यों के मूल्यांकन का तौर-तरीका होना चाहिए। अगर यह नहीं है, तो वह व्यक्ति अपने साथ धोखा कर रहा है। वह समाज और राष्ट्र के साथ भी धोखा कर रहा होगा।'

योगी ने शिक्षकों से कहा कि आज समाज जिस दिशा में सोच रहा है, अगर हमने उससे दो कदम आगे बढ़कर नहीं सोचा तो हम पिछड़ जाएंगे।

उन्होंने शिक्षकों को सलाह दी, 'अगर हम खुद को समय के अनुरूप ढालने की प्रवृत्ति अपनाएंगे, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। मासिक, त्रैमासिक, छह मासिक और वार्षिक स्तर पर अपने कार्यों का मूल्यांकन करें।'

शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा, 'आप सबके सामूहिक प्रयास से बेसिक शिक्षा परिषद में नित नये परिवर्तन आए हैं और समय के अनुरूप खुद को ढालने की सकारात्मक प्रवृत्ति पैदा हुई है।

कंगना ने इजरायली राजदूत से की मुलाकात, हमास को बताया आधुनिक रावण

नई दिल्ली/एजेन्सी

कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'तेजस' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। ट्रेलर के बाद अब दर्शक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक्ट्रेस अपनी इस फिल्म का खूब प्रमोशन कर रही हैं। कंगना ने बीते दिन एक नया रिकॉर्ड बनाया है। लव कुश रामलीला के 50 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ, जब किसी महिला को रावण दहन करने का मौका मिला और यह मौका कंगना रनौत को मिला है। वहीं अब कंगना रनौत ने हमास और इजरायल के युद्ध के बीच इजरायली राजदूत से मुलाकात ही है और हमास को आधुनिक रावण बताया है। कंगना रनौत ने हाल ही में इजरायली राजदूत से मुलाकात की है। जिसकी फोटोज एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट और ट्विटर पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि आज पूरी दुनिया, ख़ासकर इज़रायल और भारत आतंकवाद के ख़िलाफ अपनी जंग लड़ रहे हैं । कल जब मैं रावण दहन करने दिल्ली पहुंची, तो मुझे लगा कि इजरायल एम्बेसी आकर उन लोगो से मिलना चाहिए जो आज के आधुनिक रावण हमास जैसे आतंकवादियों को परास्त कर रहे हैं। जिस प्रकार से छोटे बच्चों को,महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा हैं यें दिल को झकझोर देने वाला है। मुझे पूरी उम्मीद हैं आंतकवाद के ख़िलाफ इस युद्ध में इज़रायल विजयी होगा। एक्ट्रेस ने आगे लिखा कि उनके साथ मैंने अपनी आने वाली फिल्म तेजस और भारत के आत्मनिर्भर लड़ाकू विमान तेजस के बारे में चर्चा की। कंगना रनौत का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। कंगना ने किया इजरायल का सपोर्ट हालांकि यह पहली बार नहीं है जब कंगना रनौत ने इजरायल के सपोर्ट में अपनी आवाज उठाई है। इससे पहले भी कंगना ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि ऐसा बिल्कुल संभव नहीं है कि सोशल मीडिया पर दिख रही इजरायली महिलाओं की तस्वीरों को देखकर दिल ना टूटे और डर ना लगे। आतंकी उनकी लाशों के साथ रेप तक कर रहे हैं। एक इजराइल की महिला सैनिक की बॉडी को नेकेड घुमाया जा रहा है। ये देखकर मैं लाखों टुकड़ों में टूट गई हूं।

हर शहीद सम्मानजनक मौत का हकदार है। कब रिलीज होगी कंगना की तेजस फिल्म 'तेजस' में कंगना रनौत एक पहली महिला फाइटर पायलट 'तेजस' गिल का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में कंगना के अलावा अंशुल चौहान, वरुण मित्रा, आशीष विद्यार्थी और विशाक नायर लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को सर्वेश मेवाड़ा ने निर्देशित किया है और रॉनी स्क्रूवाला के प्रोडक्शन हाउस में बनी है।

भारत के साथ अपने मजबूत आर्थिक, सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करना चाहता है आयरलैंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डबलिन/भाषा। आयरलैंड की सरकार इस हफ्ते नए सिरे से शुरू की गई एशिया प्रशांत रणनीति के तहत भारत के साथ अपने मजबूत आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करना चाहती है। उपप्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने यह बात कही।

संबंधित एशिया प्रशांत रणनीति में 2025 तक इस क्षेत्र के साथ 100 अरब यूरो के व्यापार का लक्ष्य था, जिसे समय से दो साल पहले ही पार कर लिया गया है। डबलिन में मंगलवार को संवाददाताओं से मुखातिब मार्टिन ने कहा, (भारत के साथ) हमारे न सिर्फ मजबूत आर्थिक रिश्ते, बल्कि गहरे सांस्कृतिक संबंध भी हैं। हम इन्हें और गहरा करना चाहते हैं। हम एशिया प्रशांत क्षेत्र में व्यापार का विस्तार करने की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए अपनी नई एशिया प्रशांत रणनीति शुरू कर रहे हैं, जो भविष्य में दुनियाभर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

मार्टिन के पास उपप्रधानमंत्री पद के अलावा आयरलैंड के विदेश मामलों और रक्षा मंत्रालय का भी प्रभार है। उन्होंने गठबंधन सरकार के फॉर्मूले के तहत पिछले साल के अंत में देश के भारतीय मूल के प्रधानमंत्री लियो वराडकर के साथ भूमिकाओं की अदला-बदली की थी। विदेश मंत्री के रूप में अपनी भूमिका में मार्टिन ने वैश्विक आयरलैंड रणनीति को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया है और इस सप्ताह उस दायरे में एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए देश की प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया है।

भारत इस नवीनीकृत एशिया प्रशांत रणनीति का एक प्रमुख हिस्सा है, जो क्षेत्र में आयरलैंड की मौजूदगी का विस्तार करने के प्रयासों के तहत मुंबई में एक नए महावाणिज्य दूतावास का निर्माण कर रहा है।

कनाडाई राजनयिकों की भारत से वापसी पर अमेरिका और ब्रिटेन का रुख कनाडा के पक्ष में होने से जुड़े एक सवाल के जवाब में मार्टिन ने कहा कि दोनों देशों को अंततः इस मुद्दे में शामिल होने और चीजों को सुलझाने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए।

खुशाली कुमार की फिल्म 'स्टारफिश' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आने वाली फिल्म स्टारफिश का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म स्टारफ़िश अखिलेश जयसवाल द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर द्वारा निर्मित है। इस फिल्म में मिलिंद सोमन,एहान भट्ट ,तुषार खन्ना के साथ खुशाली कुमार मुख्य भूमिका में हैं।स्टारफिश का टीजर रिलीज हो गया है। खुशाली कुमार ने कहा, जब स्टारफिश पहली बार मुझे ऑफर की गई थी, तो मैं बड़े पर्दे पर इसकी दुनिया को देखकर दीवानी हो गई थी। एक कुशल व्यावसायिक गोताखोर तारा का किरदार निभाना मेरे लिए किसी थेरेपी से कम नहीं रहा है, वह मजबूत है और उसकी एक कमजोर साइड भी है। यह कुछ ऐसा है जिसने मुझे मोह लिया है, मैंने व्यक्तिगत रूप से इस हिस्से के लिए बहुत मेहनत की है और उम्मीद करती हूं कि लोग इसे पसंद करेंगे। वहीं मिलिंद सोमन ने कहा,अखिलेश ने स्टारफिश की दुनिया को काफी खूबसूरती से पेश किया है। मैं फिल्म में एक गुरु की भूमिका निभा रहा हूं और इस किरदार का पूरा माहौल मुझे काफी आकर्षक लगा। इसके अलावा, कहानी काफी दिलचस्प है, एक अभिनेता के रूप में ऐसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं के आसपास रहना शानदार था, खुशाली ने मुझे तारा के किरदार से काफी प्रभावित किया है, यहां तक कि एहान और तुषार भी अपने तरीके से आकर्षक हैं। कुल मिलाकर बिग स्क्रीन्स पर फिल्म देखना एक असली आनंद है। अखिलेश जयसवाल निर्देशित स्टारफिश बीना नायक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब स्टारफिश पिकल पर आधारित है। इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज़ और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर द्वारा किया गया है।

इसरो प्रमुख ने आत्मकथा लिखी, लोगों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भले ही उन्होंने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के तहत देश को चंद्रमा पर विजय प्राप्त करने में मदद की हो, सूर्य के लिए भी ऐसा ही प्रयास कर रहे हों और भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में व्यस्त हों, लेकिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ की विनम्र शुरुआत एक पुरानी साइकिल और एक मामूली से आवास से हुई जिनका इस्तेमाल वह कॉलेज में रहने के दौरान परिवहन और छात्रावास के खर्चों में कटौती के लिए करते थे।

कई अन्य बातों के अलावा इन छोटे विवरणों का उल्लेख उनकी मलयालम में लिखी आत्मकथा में मिलता है, जिसे वे प्रतिभाशाली लेकिन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास कहते हैं।

मलयालम में 'निलावु कुदिचा सिम्हांगल' शीर्षक से लिखी गई आत्मकथा प्रेरणा की एक कहानी है। यह कठिनाइयों का सामना करने में कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति पर केंद्रित है और सोमनाथ के नेतृत्व वाले चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' की भारी सफलता से प्रेरित है, जिसने भारत को राष्ट्रों की एक विशिष्ट श्रेणी में ला खड़ा किया।

चंद्र मिशन की सफलता के बाद और 'आदित्य-एल1' सौर मिशन तथा गगनयान परीक्षण वाहन के लगातार प्रक्षेपण के बीच सोमनाथ ने अपनी आत्मकथा लिखने के लिए किसी तरह समय निकाल लिया।

केरल स्थित लिपि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक नवंबर में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

यह किताब एक गरीब गांव के युवा की घटनापूर्ण गाथा, इसरो के माध्यम से विकास, वर्तमान प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने और चंद्रयान-3 प्रक्षेपण तक की उनकी यात्रा की कहानी है। सोमनाथ ने कहा कि वह इसे एक प्रेरक आत्मकथा के बजाय प्रेरक कहानी कहना चाहेंगे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''यह वास्तव में एक साधारण ग्रामीण युवा की कहानी है, जो यह भी नहीं जानता था कि उसे इंजीनियरिंग में दाखिला लेना चाहिए या बीएससी में... यह उसकी दुविधाओं, जीवन में लिए गए सही फैसलों और भारत जैसे देश में उसे मिले अवसरों के बारे में है।''

इसरो अध्यक्ष ने कहा, ''इस पुस्तक का उद्देश्य मेरी जीवन की कहानी को पढ़ाना नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को जीवन में प्रतिकूलताओं से जूझते हुए अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है।''

सोमनाथ ने अपनी साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि को याद किया, लेकिन कहा कि देश ने उनके सामने अपार अवसर खोले और आत्मकथा इसे उजागर करने का एक प्रयास है।

यह चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता थी जिसने उन्हें जल्द ही एक किताब लाने के लिए प्रेरित किया।

सोमनाथ ने कहा कि कई युवा प्रतिभाशाली तो होते हैं लेकिन उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है। उनके अनुसार, किताब का उद्देश्य यह बताना है कि जीवन में मिलने वाले अवसरों का उपयोग करना बेहद जरूरी है, चाहे हालात कुछ भी हों।

मुलाकात

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अर्जुन मेघवाल, पार्टी नेता राधा मोहन अग्रवाल, अनिल बलूनी, ओम पाठक सहित भाजपा प्रतिनिधिमंडल बुधवार को नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात के बाद चुनाव आयोग से बाहर आते हुए।

'मणिपुर में संघर्ष को हिंदुओं की छवि धूमिल करने के लिए धार्मिक संघर्ष के तौर पर किया जा रहा है पेश'

वाशिंगटन/भाषा

भारतीय मूल की एक अमेरिकी महिला ने अमेरिकी संसद में एक सुनवाई के दौरान कहा कि विविधता विभाजन का स्रोत नहीं, बल्कि सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का एक प्रमाण है, जो पीढ़ियों से मणिपुर की विशेषता रही है।

महिला ने इस बात पर जोर दिया कि उनके राज्य में संघर्ष को हिंदुओं की छवि खराब करने के लिए इसे एक धार्मिक संघर्ष के रूप में पेश किया गया है।

तीन मई को मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किये जाने के बाद जातीय हिंसा भड़क गई थी और तब से इसमें 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

मणिपुर की आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी-नगा और कुकी - 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं और वे पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

अमेरिका और कनाडा दोनों में बढ़ती यहूदी विरोधी भावना, हिंदू फोबिया और हिंदू विरोधी कट्टरता के समाधान के लिए 'हिंदूएक्शन' और 'नमस्ते शालोम मल्टी-फेथ एलायंस' द्वारा सोमवार को यहां अमेरिकी संसद में सुनवाई आयोजित की गई।

मेइती समुदाय से जुड़ी भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक राजश्री कीशम ने इस दौरान कहा, ''दो आदिवासी समुदायों के बीच चल रहे संकट को महज एक धार्मिक संघर्ष के रूप में पेश करने और हिंदू छवि धूमिल करने के प्रयास में, संघर्ष के वास्तविक कारण को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''इसके नीचे हिंसा, अविश्वास और सामाजिक-राजनीतिक तनाव द्वारा चिह्नित आंतरिक संघर्ष के साथ ही उग्रवाद, नशीले पदार्थ और अवैध घुसपैठ का एक जटिल जाल है, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के हिंदू समुदाय में, पंजाबी, बिहारी, तमिल, नेपाली और अन्य जाति समूह हैं। इसी तरह, ईसाई समुदाय में नगा, कुकी और मेइती भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, ''यह विविधता विभाजन का स्रोत नहीं है, बल्कि सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रमाण है जो पीढ़ियों से मणिपुर की विशेषता रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि मणिपुर में संवेदनहीन हिंसा समाप्त होगी और हम समाधान की आशा करते हैं। यह हमारी ईमानदार आकांक्षा है कि हिंदुओं के प्रति किसी भी मौजूदा पूर्वाग्रह या आशंका को दूर किया जाए और एक रचनात्मक समाधान निकाला जाए।''

इलिनोइस की रहने वाली भारतीय मूल की अमेरिकी महिला ने कहा, ''यह मणिपुर में पुनर्निर्माण पर केंद्रित प्रक्रिया शुरू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।''

अमिताभ के साथ काम करने को लेकर बेहद खुश हैं रजनीकांत

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के महानायक रजनीकांत बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिर से काम करने को लेकर बेहद खुश हैं। अमिभाभ बच्चन और रजनीकांत लंबे अरसे के बाद साथ में काम करने जा रहे हैं।रजनीकांत ने अमिताभ बच्चन के साथ काम करने की खुशी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अमिताभ के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, 33 साल बाद, एक बार फिर मैं टीजे ज्ञानवेल की निर्देशित फिल्म में अपने मेंटर अमिताभ बच्चन के साथ 'थलाइवर 170' में काम कर रहा हूं। मेरा दिल खुशी से झूम रहा है। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत अंतिम बार वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म 'हम ' में नजर आए थे। इसके अलावा अमिताभ और रजनीकांत ने फिल्म 'गिरफ्तार'और 'अंधाकानून ' में भी साथ काम किया है।

फिल्म 'राजाराम' की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव की आने वाली फिल्म राजाराम की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म राजाराम में खेसारीलाल यादव भगवान श्री राम और राहुल शर्मा लक्ष्मण की भूमिका में नजर आयेंगे।

फिल्म का निर्देशन पराग पाटिल करेंगे। इस फिल्म को लेकर खेसारीलाल यादव ने कहा कि फिल्म राजाराम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की कहानी पर आधारित है। मैं अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे भगवान श्री राम के किरदार को जीने का मौका मिला है। इसके लिए मैं पराग पाटिल और टेक्नीशियन फ़िल्म फैक्ट्री को धन्यवाद देता हूं कि वे हमारी भाषा भोजपुरी में भगवान राम को बड़े स्क्रीन पर लेकर आ रहे हैं और इसमें भगवान राम के किरदार के लिए मुझे चुना गया है।

इसके अलावा भी फिल्म की कास्ट बेहद अच्छी है।हमने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।अपने दर्शकों को विश्वास दिलाता हूँ कि यह फिल्म भोजपुरी फिल्म जगत के इतिहास में मील का पत्थर बनेगी। वहीं फिल्म को लेकर पराग पाटिल ने कहा कि फिल्म ख़ास है, इसके लिए मेकिंग भी ख़ास होगी और इसकी शुरुआत हो चुकी है, उम्मीद है कि फिल्म सबों को पसंद आएगी। पराग पाटिल ने बताया कि फिल्म राजाराम का निर्माण टेक्नीशियन फ़िल्म फैक्ट्री कर रही है। फिल्म में मुख्य भूमिका में खेसारी लाल यादव, राहुल शर्मा, सोनिका गौड़ा, सपना चौहान और सुबोध सेठ हैं। डीओपी आर आर प्रिंस, लेखक अरविंद तिवारी और म्यूजिक कृष्णा बेदर्दी का होगा।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के दिवंगत डीपी शर्मा परिवार की ओर से शहर के जेपीनगर में समाज के प्रथम आराध्य भगवान भास्कर का भव्य मंदिर बनवाया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य द्रुतगति से चल रहा है।

दुर्गा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बेलकोन्ननाहल्ली स्थित श्री मां दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट पीण्या द्वारा आयोजित दशहरा महोत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत् एवं विशिष्ट अतिथि संजय मिश्रा ने मां दुर्गा प्रतिमा को चुनरी अर्पित कर विशेष पूजा में भाग लिया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश से आए हुए भजन कलाकार संजना पांडे, प्रियंका सिंह, शुभम गुप्ता ने माता के भजनों की प्रस्तुति दी। ट्रस्ट के अध्यक्ष पीके सिंह एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान किया।

प्रतिमा विसर्जन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्री वैशाली जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति की ओर से बुधवार को नम आंखों से दुर्गा माता की प्रतिमा को विदाई दी गई। विसर्जन जुलूस पूजा मंडप बिलेकहल्ली से मायलासंद्रा झील तक निकाला गया जिसमें 200 से ज्यादा माता के भक्तों ने भाग लिया। समिति के सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। विसर्जन की व्यवस्था अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मुकेश सिंह, पंकजसिंह, धीरेंद्रसिंह, मुकेश मुकुल, प्रभुपारस सिंह आदि सदस्यों ने संभाली।

प्रतिमा विसर्जन के साथ सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद का दशहरा महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के आरटी नगर विनायक कल्चरल सेन्टर में सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित सार्वजनिक दशहरा महोत्सव मंगलवार को मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ। मंगलवार को सुबह मां दुर्गा को विशेष भोग अर्पण कर श्रद्धालुओं को जयंती वितरण व नवरात्रि व्रत का पारणा कराया गया। दोपहर में पांडाल से अलसूर लेक के लिए मां दुर्गा प्रतिमा की विसर्जन यात्रा प्रारंभ हुई जो कि शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए अलसूर लेक पहुंचीं जहां माता के भक्तों ने मां दुर्गा प्रतिमा को विदाई दी तथा विभिन्न प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ विनयकुमार यादव, पूजा अध्यक्ष प्रजेश झा, सचिव पंडित राजगुरु, कोषाध्यक्ष दीपेशकुमार सहित बड़ी संख्या में परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के 'सूर्यमंदिर' का निर्माण कार्य प्रगति पर

शर्मा परिवार की अनोखी पहल 'हर परिवार, एक रुपए का दान' को मिल रहा है अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के दिवंगत डीपी शर्मा परिवार की ओर से शहर के जेपीनगर में समाज के प्रथम आराध्य भगवान भास्कर का भव्य मंदिर बनवाया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य द्रुतगति से चल रहा है। मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा के संबंध में चर्चा के लिए शर्मा ट्रॉसपोर्ट कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें शर्मा ट्रांसपोर्ट के मालिक सुनील शर्मा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरे भारतवर्ष में 'हर परिवार एक रूपये का दान' अभियान के तहत जो अपार समर्थन एवं सहयोग मिल रहा है वह सिर्फ मेरा सम्मान नहीं अपितु पूरे बेंगलूरु का सम्मान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के सामने मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की तथा प्राण प्रतिष्ठा को ऐतिहासिक बनाने का निवेदन किया। सुनील शर्मा ने बताया कि एक-एक रुपये अंशदान संग्रहण कार्य में राजस्थान के प्रमुख शहर जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर, पाली, फालना, बिजयनगर सहित गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा चेन्नई में निवासरत परिवारों से अंशदान संग्रहण कार्य किया जा चुका है।

समाजसेवी तेजराज शर्मा ने बताया कि मंदिर निर्माण में शर्मा परिवार की अनूठी पहल पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में निवासित समाज बंधुओं से एक-एक रुपये का अंशदान लेकर एकता का सूत्रपात करने एवं आस्था से जोड़ने का एक नवाचार किया जा रहा है। इस बैठक में शहर में निवासित समाज के लोगों ने दानवीर सुनील शर्मा की प्रशंसा करते हुए उनका सम्मान किया।

दुर्गा माता की चौकी में बही भक्तिरस की मंदाकिनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शिव शक्ति जागरण समिति तथा उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को जेपी नगर स्थित सारथी स्कूल के प्रांगण में माता की चौकी का आयोजन किया जिसमें भजन गायक सुरेश चौहान, विनय पाण्डेय एवं प्रवीण मिश्रा ने मैया के एक से बढ़कर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्ति रस की मंदाकिनी प्रवाहित की। इससे पूर्व पंडित रमाकांत मिश्र ने माता का दरबार सजाया तथा समस्त देवी-देवताओं का आह्वान कराने के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता की ज्योत प्रज्ज्वलित कराकर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। शिव शक्ति जागरण समिति के चेयरमैन बिजयचंद पाण्डेय, अध्यक्ष सभाजीत जायसवाल, सचिव राजकपूर पाण्डेय, अमरेश शुक्ला, पंकजकुमार पाण्डेय, चन्द्रप्रकाश पाण्डेय उत्तरप्रदेश सेवा मंडल के विजयेंद्र कुमार पटेल, पूर्व अध्यक्ष एनके गुप्ता एवं पूर्व सचिव प्रमोदकुमार जैन ने सपत्नीक माँ अम्बे की पूजा-अर्चना की तथा सामूहिक हवन अनुष्ठान में भाग लिया। मुख्य अतिथि सारथी स्कूल के डायरेक्टर सुदर्शन का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के अध्यक्ष केके दुबे, पूर्वअध्यक्ष इन्द्रदत्त द्विवेदी, गोपाल चौरसिया, पूर्व सचिव योगेश मित्तल, शिवशक्ति जागरण समिति के कोषाध्यक्ष कपिलदेव त्रिपाठी, शिवाकांत मिश्र आदि भी उपस्थित थे।

जीतो महिलाओं ने नृत्य से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभ पाने के गुर सीखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

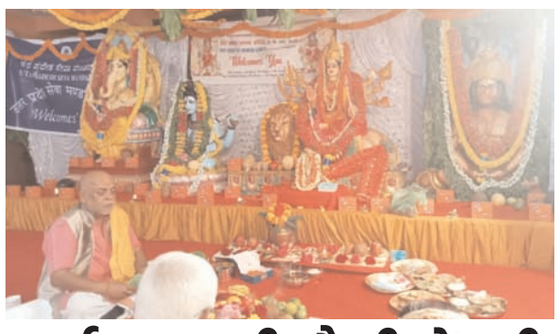

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा महिलाओं के लिये आयोजित 4 दिवसीय नृत्य कार्यशाला के समापन पर मुख्य प्रशिक्षक मिथुला बाफना ने कहा कि शरीर को पूरी तरह फिट रखने, अच्छी नींद व तनाव को खत्म करने में नृत्य बहुत ही लाभकारी है। नृत्य अकेलापन, गुस्सा और अवसाद जैसी परेशानियां से बाहर निकालकर मन को शांत करने में सहायक बनता है। एक ही समय में नृत्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ पहुंचाता है।

नवकार मंत्र स्मरण से प्रारंभ हुई नृत्य कार्यशाला में अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जीतो की महिला विंग समाज की महिलाओं के कौशल विकास, आर्थिक उन्नति के साथ सेहत के प्रति भी जागरुक है। उन्होंने कहा कि हर कला में पारंगत होना एक आम इंसान का लक्ष्य रहता है और नृत्य कला भी एक ऐसी साधना है जिससे जुड़कर अपनी भावनाओं को साकार रूप दिया जा सकता है। सह प्रशिक्षक सिंपल हिंगड़ और शीतल जैन ने कहा कि नृत्य करते समय हमारा शरीर और मन एक साथ एक लय में होता है और हम सारी परेशानिया भूलकर संगीत के साथ कदम मिलाते हैं। जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि इस कार्यशाला में 70 महिलाओं ने नृत्य कला के गुर सीखे।

कार्यशाला में अमीषा और दीया ने सदस्याओं को नृत्य सीखने में सहयोग किया। कार्यशाला संयोजिका नीता गादिया एवं सहसंयोजिका संगीता मुथा ने व्यवस्था सँभाली। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने संचालन किया। इस अवसर पर महिला विंग मेंटर सरिता खिंवेसरा,सहमंत्री पिंकी मेहता, कार्यसमिति सदस्य सुमन सिंघवी व रक्षा छाजेड उपस्थित थीं।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति के सदस्यों ने नम आखों से दी मां दुर्गा को विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट-बिहार भवन' के संयुक्त तत्वावधान में 45 वां दशहरा पूजा महोत्सव बड़े ही भक्ति भाव एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मंगलवार को पैलेस ग्राउंड से सैकड़ों भक्तों ने शोभायात्रा में भाग लिया एवं माता दुर्गा, भगवान गणेश, माता लक्ष्मी, माता सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाओं को अलसूर लेक में नम आंखों से विसर्जित किया। समिति अध्यक्ष केके सिंह, उपाध्यक्ष अमित सिंह, सचिव सुबोध सिंह, उपेन्द्र सिंह, जेपी सिंह, प्रमोद साही, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे, एसपी सिंह, अरविंद शर्मा, नवीन मिश्रा, रामकवल सिंह, विमलेश कुमार, शंभू सिंह, एसएन भगत, रंजित शर्मा, जयप्रकाश उपाध्याय, सुमेश्वर सिंह, विन्द्र कुशवाहा, धर्मेश केनेडी, अमित अनुपम, निरंजनकुमार चौधरी आदि सदस्य विसर्जन यात्रा में शामिल हुए।

'सम्यक ज्ञान, दर्शन व चारित्र से ही मोक्ष संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि जिन शासन में तीन रत्न अत्याधिक महत्त्वपूर्ण है, सम्यकज्ञान, दर्शन व चारित्र। सम्यक ज्ञान का अर्थ है सही-वास्तविक। यानी सभी बतों का सही अर्थ निकालना और सही अर्थ सोचना। सम्यक दर्शन का महत्व बहुत ही ज्यादा है। सम्यक्त्व प्राप्त होने से पूर्व के जन्मों में राजा-महाराजा बने हो फिर भी उसके उन भवों की कोई कीमत नहीं होती। सर्वविरति यानी चारित्र जीवन आदि किसी भी साधना की नींव सम्यक्त्व है तो ही संयम जीवन सफल होगा। सम्यक्त्व साधना-आराधना, व्रत तप रूपी पेड़ का मूल है जिस पर मोक्ष नामक फल आता है।

बसवनगुड़ी में हुआ दीक्षार्थी आंचल नागोरी का सम्मान, दीक्षा मुम्बई में

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजीकी निश्रा में तेजराज नागोरी की पौत्री व जितेन्द्र नागोरी आहोर की पुत्री दीक्षार्थी आंचल नागोरी का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा ने सभी का स्वागतकिया। पाठशाला के रोहित गुरुजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि आंचल नागौरी जिनकुशलसूरी जैन धार्मिक पाठशाला की छठवीं छात्रा है जो संयम ग्रहण करने जा रही है। उन्होंने आंचल की धार्मिक रुचि के बारे में बताया। पाठशाला की अध्यापिकाओं और अभ्यासकों ने मुमुक्षु के जीवन वृत्तांत के साथ जैन धर्म को समझने जैसी बहुत ही सुन्दर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। मुमुक्षु के माता पिता और मुमुक्षु का तिलक, शाल और माला से सम्मान ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, उपाध्यक्ष तेजराज मालानी, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, वरिष्ठ सदस्य चुन्नीलाल गुलेच्छा, खरतरगच्छ संघ के महामंत्री अरविन्द कोठारी, बादामीबाई गुलेच्छा, पाठशाला के उर्मिला कोठारी, पवनी बाफना, मनीषा पनानी, प्रमिला गांधी आदि पदाधिकारियों ने किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने आंचल और उनके परिवार के सामाजिक योगदान के बारे में बताया। सेवा मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि आंचल की भगवती दीक्षा 29 नवम्बर को गच्छाधिपति आचार्यश्री जयानंदसूरीशवरजी व साध्वीश्री मणिप्रभाजी के सान्निध्य में मुंबई में आयोजित होना सुनिश्चित है। पाठशाला के अनेक अभ्यासकों, राजेन्द्र गुलेच्छा, रेखा कांठेड ने भी अपनी भावनाएं गीतों के माध्यम से प्रस्तुत की।

उत्तमचंद कोठारी बने 'इदं न मम' के राष्ट्रीय संयोजक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा बेंगलूरु निवासी उत्तमचंद कोठारी श्रीरामपुरम को संघ की महत्वपूर्ण प्रवृत्ति 'इदं न मम' का वर्ष 2023-25 के लिए राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है। साधुमार्गी जैन संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष धर्मचंद बंबकी एवं मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि नीमच में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में उत्तमचंद कोठारी को यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिखर सदस्यगण रिद्धकरण सिपानी, शांतिलाल सांड, बेंगलूरु संघ के मार्गदर्शक कमल सिपानी, समता भवन निर्माण समिति के चेयरमैन विमल सिपानी ने उन्हें यशस्वी कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

मूर्ति विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ श्री राम परिवार का दुर्गा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीराम परिवार नवदुर्गा पूजा समिति की ओर से माइको लेआऊट ग्राउण्ड में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव मंगलवार की शाम माँ शेरावाली के जयकारों की गूँज के बीच मूर्ति विसर्जन के साथ सम्पन्न हो गया। दोपहर में मूर्ति विसर्जन यात्रा प्रारंभ हुई और विभिन्न मार्गों से होकर गुजरते हुए बेगूर लेक पहुँची।

माँ दुर्गा सहित सभी मूर्तियों को विसर्जित किया गया। आयोजकों ने बताया कि दस दिनों तक चले दुर्गा पूजा समारोह में महानवमी की शाम माता के जागरण में प्रयागराज से आये भजन गायक जिला द्विवेदी एवं राजू दुबे ने मैया के एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विविध धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीतन एवं माताजी की मंगल आरती हुई व अखण्ड रामायण पाठ भी हुआ। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष संजय शुक्ला, सचिव अजयप्रकाश पाण्डेय, अध्यक्ष राकेश मिश्र, उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सत्यदेव पाण्डेय, सुरेश शर्मा, मिथिलेश तिवारी, राजू प्रसाद, राहुल झा, सत्येन्द्र मिश्रा, शशिकांत पाण्डेय सहित अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com